सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 186 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 20 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

डिजिटल अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट चिंतित, आरबीआई समेत सभी बैंकों को दिए सख्त आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी बढ़ती ठगी की घटनाओं पर एक बार फिर गंभीर चिंता जताई है। सोमवार को सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाली और चिंताजनक स्थिति है कि अच्छी शिक्षा प्राप्त लोग भी इस तरह के साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची भी शामिल थे, डिजिटल अरेस्ट पीड़ितों से जुड़े स्वत: संज्ञान मामले पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटारमानी ने अदालत को बताया कि इस मुद्दे पर लगातार बैठकें हो रही हैं और सरकार तेजी से आवश्यक कदम उठा रही है।

उन्होंने मामले को 12 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने एक बुजुर्ग महिला का मामला साझा किया, जिन्हें वह आधिकारिक तौर पर जानते हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण रूप से महिला की पूरी रिटायरमेंट राशि साइबर ठगों ने हड़प ली। इस पर अदालत ने गहरी नाराजगी जताई।

सीबीआई जांच और मुआवजा ढांचा बनाने के निर्देश

कोर्ट ने सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों की पहचान कर जांच करने को कहा था। गुजरात और दिल्ली सरकारों को ऐसे मामलों में जांच की मंजूरी देने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने भारतीय रिजर्व बैंक, दूरसंचार विभाग और अन्य एजेंसियों से मिलकर पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए एक स्पष्ट व्यवस्था तैयार करने को भी कहा था। अटॉर्नी जनरल ने अदालत को बताया कि आरबीआई ने बैंकों के लिए एक प्रारूप एसओपी तैयार कर लिया है, जिसमें संदिग्ध लेनदेन रोकने और खातों पर अस्थायी डेबिट होल्ड लगाने जैसे प्रावधान शामिल हैं। अब इस मामले की अगली सुनवाई 12 मई को तय की है।

खास-खबर

लिफ्ट में फंसी आईएएस अधिकारी ऋचा शर्मा, 20 मिनट तक रहीं अंदर

रायपुर। राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित करेंसी टावर में सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। छत्तीसगढ़ शासन की असिस्टेंट चीफ सेक्रेटरी ऋचा शर्मा करीब 20 मिनट तक लिफ्ट में फंसी रहीं। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 6:30 बजे वे जिम जाने के लिए लिफ्ट से ऊपर जा रही थीं, तभी लिफ्ट अचानक बीच में रुक गई। अंदर रोशनी और वेंटिलेशन की कमी के कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा और उनकी तबीयत भी बिगड़ने लगी। उन्होंने मोबाइल के जरिए अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर तुरंत मदद पहुंची। करीब 20 मिनट की कोशिश के बाद लिफ्ट का दरवाजा खोला गया और उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया।

कर्नाटक में शर्मनाक कृत्य हावेरी में तोड़ी गई बापू की प्रतिमा

हावेरी। कर्नाटक के हावेरी शहर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है, जिससे इलाके में नाराजगी का माहौल बन गया है। यह घटना महात्मा गांधी रोड पर हुई, जहां कुछ अज्ञात लोगों ने रात के समय गांधी जी की मूर्ति को नुकसान पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलते ही हावेरी की एसपी यशोदा वंतगोडी और शहर की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले का निरीक्षण किया। पुलिस ने करीब 2 फीट ऊंची इस क्षतिग्रस्त प्रतिमा को अपने कब्जे में लेकर थाने पहुंचा दिया है, ताकि आगे की जांच की जा सके। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

उत्तर छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी, 41 डिग्री तापमान

रायपुर। उत्तर छत्तीसगढ़ में राजस्थान की ओर से तेजी से प्रवेश कर रहे गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान बढ़कर 41 डिग्री पहुंच गया है। रविवार को गर्म हवाओं और तेज धूप के कारण शहर का अधिकतम तापमान औसत तापमान से 4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। गर्मी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुबह साढ़े 8 बजे ही पारा 32 डिग्री तक पहुंच चुका था। उत्तर छत्तीसगढ़ में भी भीषण गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। पिछले पांच दिनों से अधिकतम तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी हुई है। 15 अप्रैल को तापमान 39.1 डिग्री था, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए 19 अप्रैल को 41 डिग्री तक पहुंच गया है।

सीएम साय ने कहा- इंडी गठबंधन महिला विरोधी देश की 70 करोड़ महिलाओं से किया विश्वासघात

■ प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रेस वार्ता के दौरान सीएम साय का कांग्रेस व इंडी गठबंधन पर तीखा हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी ने महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस और द्बह्लष्ठद्ब गठबंधन पर जोरदार हमला बोला है। प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मामले को लेकर कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए महिला विरोधी बताया है। कांग्रेस ने देश की 70 करोड़ महिलाओं से विश्वासघात किया है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की उपस्थिति में रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रेस वार्ता के दौरान सीएम साय ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाया गया 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक हमारी माताओं-बहनों के लिए लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33त्न आरक्षण का मार्ग प्रशस्त करने वाला था। लेकिन, परिवारवादी राजनीति और वोट बैंक को साधने के लिए कांग्रेस ने देश की 70 करोड़ महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है।

इंडी गठबंधन को भुगतना होगा परिणाम

देश की आधी आबादी को नेतृत्व के अधिकार से वंचित करने के उद्देश्य से महिला आरक्षण की राह में बाधा डालने का जो 'महापाप' कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने किया है, उसका परिणाम उन्हें अवश्य भुगतना पड़ेगा। महिला विरोधी कांग्रेस और इंडी गठबंधन को देश की जनता अब और बर्दाश्त नहीं करेगी। देश की जनता इन्हें करारा जवाब देगी।

लोकसभा में पास नहीं हो सका महिला आरक्षण बिल

लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान (131वां संशोधन) बिल पास नहीं हो सका। बिल के पक्ष में 298 वोट पड़े, जबकि 230 सांसदों ने इसके विरोध में मतदान किया। इसे पारित करने के लिए 352 वोटों की आवश्यकता थी। इस बिल में लोकसभा सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करने और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान शामिल था।

पीएम मोदी ने माफी मांगी, विपक्ष पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला आरक्षण बिल पास नहीं हो पाने पर माताओं-बहनों से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि इस बिल में संशोधन नहीं हो पाया और इसके लिए वे क्षमा चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ दलों के लिए दलहित देशहित से बड़ा हो गया, जिसका नुकसान नारी शक्ति को उठाना पड़ा। उन्होंने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर निशाना साधा।

कांग्रेस फूट डालो और राज करो की नीति अपनाती है

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कर सीएम साय ने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग अंग्रेजों की तरह फूट डालो और राज करो की नीति अपनाते हैं और समाजवादी पार्टी जैसी पार्टी धर्म के नाम पर आरक्षण की बात कहकर लोगों को बरगलाती है। उन्होंने कहा कि, आने वाले वक्त में इंडी गठबंधन को इसका खामियाजा भुगतना होगा। कांग्रेस और इंडी गठबंधन का वास्तविक चेहरा सामने आ चुका है और देश की माता-बहनें सच्चाई जान चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि देश की महिलाओं की उम्मीदों पर पानी नहीं फिरने दिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में बड़ा सड़क हादसा, खाई में गिरी यात्री बस 20 लोगों की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सोमवार को एक यात्री बस पहाड़ी से नीचे गिर गई। इस दुर्घटना में 20 यात्रियों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 10 बजे राम नगर इलाके के कागोर्ट गांव के पास हुई। बस एक दूरदराज के गांव से उधमपुर जा रही थी। यह दुर्घटना तब हुई जब बस राम नगर इलाके में एक ब्लाइंड मोड़ से गुजर रही थी। बस चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस पलट गई और पहाड़ी से नीचे गिर गई। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद मौके पर राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया। प्रशासन और पुलिस की टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों के अनुसार, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

अमित जोगी को सुप्रीम-कोर्ट से राहत नहीं

■ एक साथ दोनों मामले की 23 अप्रैल को होगी सुनवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने अब दोनों मामलों की संयुक्त सुनवाई 23 अप्रैल को तय किया है।

अमित जोगी की ओर से दो आदेशों को चुनौती दी गई थी। पहला, जिसमें ष्टक्चढ्ढ को अपील करने की अनुमति दी गई और दूसरा, हाईकोर्ट का वह फैसला, जिसमें उन्हें हत्या का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई। अब दोनों मामले की एक साथ सुनवाई होगी। इससे पहले हाईकोर्ट ने 6 अप्रैल को अमित जोगी को आईपीसी की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा दी गई थी। 3 हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ जोगी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी।

अमित जोगी ने फेसबुक पर लिखा है कि, सर्वोच्च न्यायालय ने आज दोनों मामलों को एक साथ टैग कर दिया है। इन दोनों मामलों की संयुक्त सुनवाई 23 अप्रैल को निर्धारित की गई है। मेरी ओर से आज वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी, विवेक तन्खा, सिद्धार्थ दवे और शशांक गर्ग उपस्थित हुए। मेरी कानूनी टीम का हृदय से आभार। न्यायपालिका पर मुझे पूर्ण विश्वास है।

भिलाई में पत्नी ने सिलबट्टा मारकर की पति की हत्या,रोज की मारपीट से थी परेशान

छावनी थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस हिरासत में आरोपिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छावनी थाना क्षेत्र के दुर्गा पारा कैंप -2 में बीती रात आपसी विवाद के बाद पत्नी ने सिलबट्टे से वार कर पति की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि पत्नी रोज-रोज के विवाद से परेशान थी। पति रोज शराब के नशे में आकर मारपीट करता था। रविवार को रात को भी विवाद हुआ और इस दौरान पत्नी ने पास में रखे सिलबट्टे से मार दिया। घटना की सूचना के बाद देर रात मौके पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं आरोपिया पत्नी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार कैंप-2 दुर्गा पारा निवासी डोमन साहू (40) की उसकी पत्नी हीरामणी साहू ने हत्या कर दी। घटना रविवार देर रात लगभग 10 बजे के आसपास की है। डोमन साहू श्रम विभाग में संविदा कर्मी के रूप में ड्राइवरी करता था। वह आए दिन अपनी पत्नी से मारपीट करता था। बताया जा रहा है कि उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर भी शक था। उसके दो बच्चे एक बेटा और एक बेटी है। रविवार को भी उसने पत्नी से मारपीट की थी। मारपीट से तंग आकर पत्न हीरामणी साहू ने 19 अप्रैल को अपने पति के खिलाफ थाने पहुंचकर शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस ने बीएनएस की धारा 170 के तहत उसे गिरफ्तार कर एसडीएम कोर्ट भेजा था। हालांकि वहां से उसे जमानत मिल गई।

थाने में शिकायत से था नाराज

जमानत मिलने के बाद आरोपी शाम को घर पहुंचा और पुलिस में शिकायत करने की बात को लेकर विवाद करने लगा। दोनों के बीच विवाद काफी बढ़ गया। इस दौरान हीरामणी ने पास में रखा सिलबट्टा उठाया और डोमन साहू के सिर पर दे मारा। वार इतना जोरदार था कि मौके पर ही डोमन साहू की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही छावनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई की। पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इधर पुलिस ने आरोपिया पत्नी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ले वालों से बना रखी थी दूरी

आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि मृतक डोमन साहू का मोहल्ले वालों के साथ भी व्यवहार अच्छा नहीं था। मोहल्ले वालों ने बताया कि आए दिन वह अपनी पत्नी से मारपीट करता था। घर के चारों ओर उसने सीसी टीवी कैमरे लगा रखे थे। मोहल्ले वालों का कहना है शक के कारण ही उसने ऐसा किया था। यही नहीं बार बार के विवाद से तंग आकर उसकी पत्नी कुछ देन पहले अपने मायके जाकर रहने लगी थी। बहरहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

तेज आंधी-तूफान और गिर गई निर्माणाधीन मकान की दीवार, पति-पत्नी और बच्चा दबे

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। रविवार की देर रात जिले के कुसमुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रेम नगर, कपाटमुडा रोड में एक भीषण हादसा हो गया। संतोष वर्मा द्वारा बनवाए जा रहे मकान की तीसरी मंजिल की दीवार अचानक भरभरा कर बगल के अजय धनवार के घर पर गिर पड़ी। हादसे के समय अजय धनवार, उनकी पत्नी और उनका छोटा बच्चा घर के अंदर सो रहे थे और ईंटों के मलबे में दब गए।

रविवार की देर रात अचानक से मौसम का मिजाज बदल गया तेज बारिश आंधी तूफान के साथ आकाशी बिजली चमकने लगी बीच तेज आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश हो रही थी। इसी दौरान निर्माणाधीन मकान की ऊपरी दीवार कमजोर होकर गिर गई। दीवार सीधे अजय धनवार के घर की छत पर आ गिरी, जिससे छप्पर टूट गया और सैकड़ों ईंटें घर के भीतर गिर पड़ीं।

घटना के बाद घर में चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर पड़ोसी तुरंत मौके पर पहुंचे और मलबे में दबे तीनों लोगों को बाहर निकाला। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें तत्काल मोहल्लेवासियों की मदद से कोरबा अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में घर के अंदर रखा दोपहिया स्कूटर, बर्तन, बिस्तर और अन्य सामान भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। मकान के भीतर अभी भी ईंटों का मलबा पड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया था, जिसके कारण तेज हवा और बारिश में दीवार गिर गई। फिलहाल पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है और घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

छातागढ़ के पास शिवनाथ नदी में दर्दनाक हादसा, गहरे पानी में समा गए दो युवक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में शिवनाथ नदी में रविवार देर शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। जहां नहाने गए पांच दोस्तों में से दो की डूबने से मौत हो गई। घटना छातागढ़ के पास की बताई जा रही है। घटना की सूचना पुलिस और एसडीआरएफको दी गई, जिसके बाद एसडीआरएफकी टीम ने चार घंटे में दोनों का शव बरामद कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक, नहाने के दौरान अचानक दो युवक नदी के गहरे पानी में चले गए। वहां पानी करीब 10 से 12 फीट गहरा था। गहराई का अंदाजा नहीं लग पाने के कारण दोनों बाहर नहीं निकल सके। जिससे दोनों पानी में डूब गए। बाकी तीन दोस्त किसी तरह बाहर निकल आए। घटना के बाद बाहर निकले दोस्तों ने इसकी जानकारी घरवालों को दी। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस और एसडीआरएफटीम को दी गई। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और तलाश शुरू की गई। दोनों के शव को नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया जा रहा है कि रविवार की देर शाम को दोनों दोस्तों का शव बाहर निकाला गया। मृतकों में मोहम्मद फैजल उम्र 21 साल और मोहम्मद ईशांत 14 साल निवासी कैलाश नगर दुर्ग बताई जा रही है। दोनों मृतक चचेरे भाई है।

संपादकीय

मानव हित सर्वोपरि

नैतिकता अनुरूप हो कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

हमारे समाज के बुद्धिजीवी, अध्यात्मिक व सामाजिक चिंतक गाहे-बगाहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मानवीय मूल्यों के क्षरण पर लगातार चिंता जताते रहे हैं। अब इस चिंता पर पोप लियो 14 की स्वीकारोक्ति ने मोहर लगायी है। उन्होंने आशंका जतायी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से वैश्विक ध्रुवीकरण, संघर्ष, भय और हिंसा को बढ़ावा मिल सकता है। उनके इस बयान ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। ऐसे वक्त में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुविधा, गति व नवाचार के लिये सराहा जा रहा है, पोप ने चेताया है कि नैतिकता के बिना प्रौद्योगिकी घातक साबित हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि मूल रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता बुरी नहीं है, लेकिन यह तटस्थ भी नहीं है। निस्संदेह, इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता कि संस्थान व सरकारें इसे कैसे डिजाइन करती हैं और कैसे इसका उपयोग करती हैं। हाल की कुछ घटनाओं ने इन चिंताओं की पुष्टि भी की है। विभिन्न देशों के लोकतांत्रिक चुनाव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित डीपफेक और क्लोन की गई आवाजों का प्रयोग झूठे विमर्शों को फैलाने, मतदाताओं को भ्रमित करने में किया गया। जिससे दुनिया में लोकतांत्रिक संस्थानों के प्रति जनता का भरोसा डिगा है। यह खतरनाक है कि साइबर ठगों ने क्लोनिंग उपकरणों के जरिये आवाज का उपयोग परिवार के सदस्यों व अधिकारियों के रूप में किया है। इसके जरिये साइबर अपराधियों ने पूरी दुनिया में लाखों लोगों की जीवन भर की पूंजी तक लूटी है।

> “ ऐसे वक्त में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुविधा, गति व नवाचार के लिये सराहा जा रहा है, पोप ने चेताया है कि नैतिकता के बिना प्रौद्योगिकी घातक साबित हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि मूल रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता बुरी नहीं है, लेकिन यह तटस्थ भी नहीं है। निस्संदेह, इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता कि संस्थान व सरकारें इसे कैसे डिजाइन करती हैं और कैसे इसका उपयोग करती हैं। हाल की कुछ घटनाओं ने इन चिंताओं की पुष्टि भी की है। विभिन्न देशों के लोकतांत्रिक चुनाव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित डीपफेक और क्लोन की गई आवाजों का प्रयोग झूठे विमर्शों को फैलाने, मतदाताओं को भ्रमित करने में किया गया। जिससे दुनिया में लोकतांत्रिक संस्थानों के प्रति जनता का भरोसा डिगा है। यह खतरनाक है कि साइबर ठगों ने क्लोनिंग उपकरणों के जरिये आवाज का उपयोग परिवार के सदस्यों व अधिकारियों के रूप में किया है।

विडंबना है कि जिस कार्य को अब तक तकनीकी-कौशल व संसाधनों के जरिये किया जाता था, वह तकनीक से अब आसानी व बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग भ्रामक सूचनाओं के लिये ही नहीं किया जा रहा है। आशंका है कि उन्नत एआई के जरिये वित्तीय प्रणालियों और साइबर सुरक्षा को खतरा पैदा किया जा सकता है। चिंता है कि शक्तिशाली एआई तकनीक से वित्तीय व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को निशाना बनाया जा सकता है। जिसे पकड़ना नियामक संस्थाओं के लिये मुश्किल होगा। ये स्वचालित हमले बैंकिंग नेटवर्क में धोखाधड़ी करने में सक्षम हो सकते हैं। जो हमारी डिजिटल दुनिया से भी आगे घातक प्रभाव डाल सकते हैं। जिससे देशों में वित्तीय संकट पैदा हो सकते हैं। भुगतान व्यवस्था में व्यवधान व विश्वास से छल तथा राजनीतिक दुष्प्रचार से समाज में अस्थिरता पैदा हो सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पर्यावरणीय घातक प्रभाव भी कम नहीं हैं। एआई के विस्तार के लिये विशाल डेटा केंद्रों, कोबाल्ट व लिथियम जैसे खनिजों की खुदाई की जरूरत होती है। जिसके लिये भारी पर्यावरणीय व मानवीय लागत की जरूरत होती है। निस्संदेह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में न तो इसे नकारा ही जा सकता है और न ही ये बुद्धिमत्ता का फैसला होगा, लेकिन इसका जिम्मेदारी से प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन व उत्पादकता में यह रामबाण सिद्ध हो सकती है, लेकिन यह मजबूत कानून, कंपनियों के सिस्टम की पारदर्शिता व सुरक्षा से ही निरापद हो सकती है। नागरिकों की डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना होगा।

संवादहीनता के चलते महिला आरक्षण पर गतिरोध

ज्योति मल्होत्रा

विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो पाया। दरअसल, इस बार नए विधेयक पर आम सहमति न तो चाही गई और न ही हासिल की गई क्योंकि इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में परस्पर बातचीत नहीं हुई। जबकि 2023 में कांग्रेस समेत विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम एकमत से पास कराने में भाजपा का साथ दिया था।

भारतीय राजनीति में 'महिला वोट बैंक' बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उल्लेखनीय परियोजना, जिसके जरिए वे जाति और वर्ग, दोनों की राजनीति को पछाड़ने की उम्मीद रखे हुए हैं, पिछले 12 सालों में वह कल्पनातीत रूप से काफी कारगर रही है। मोदी ने हाल के दिनों में किसी भी दूसरे पुरुष नेता से ज़्यादा महिलाओं की शिकायतें सुनने का प्रयास किया है- शुरुआत गांव के छोटे घरों में इस्तेमाल होने वाले, धुआं पैदा करने वाले चूल्हों को 'उज्ज्वला' स्कीम के तहत गैस सिलेंडर से बदलने की मुहिम से हुई, और फिर उनके बैंक खाते में पैसे डाले गए, खासकर उनके राज्यों में चुनावों से पहले।

तो फिर, महिला आरक्षण बिल, जिसे पेश करने की अगुवाई प्रधानमंत्री ने लोकसभा में की, यहां तक कि कुछ राज्यों में जारी चुनाव प्रचार के बीच में संसद का विशेष सत्र बुलाया, वह स्वीकृत क्यों नहीं हो पाया? क्या भारत की महिलाएं राष्ट्रीय 'नारी शक्ति' का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं? इसका जवाब जटिल है, जाहिर है, शुरुआत इस तथ्य से होगी कि देवियों में हमारी गहरी आस्था के बावजूद, दुर्गा से लेकर काली, सरस्वती और लक्ष्मी और भी बहुत सारी, आप पूछ सकते हैं कि भारत में पुरुष-प्रधान समाज की जड़ें इतनी गहरी क्यों हैं। अवश्य ही, हम महिलाएं ही उन जड़ों को सींचने और अपना ही नुकसान करने के लिए ज़िम्मेदार हैं। वरना हरियाणा में महिला-पुरुष अनुपात (879/1,000), पंजाब (895/1,000) व दिल्ली (868/1,000) न होता —मानें या न मानें, 1000 पुरुषों पर 818 महिलाओं के साथ चंडीगढ़ का आंकड़ा देशभर में सबसे नीचे है, राष्ट्रीय सूची में ये सब नीचे क्यों है? (हालांकि हरियाणा का दावा है कि पिछले साल उसका आंकड़ा बढ़कर प्रति 1,000 पुरुषों पर 914 महिलाएं हो गया है।)

सवाल उठता है कि केरल के बराबर आबादी वाला पंजाब, दोनों की आबादी लगभग 3 करोड़ है, लिंगानुपात के पैमाने पर देशभर में दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला राज्य क्यों है? केरल (1,084), तमिलनाडु (996), आंध्र प्रदेश और कर्नाटक (दोनों 993) जैसे दक्षिणी राज्यों का प्रदर्शन उत्तरी राज्यों की तुलना में इस पैमाने (और अन्य कई सामाजिक-आर्थिक मापदंडों पर भी) इतना बढ़िया क्यों है? दूसरा सवाल पूछना बनता है कि विपक्षी दल महिला आरक्षण बिल के खिलाफ क्यों हैं? उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लाए उस विधान का समर्थन क्यों नहीं किया, जिससे भारतीय राजनीति में उलटफेर होना तय है? क्या विपक्ष महिला विरोधी है?

पिछले कुछ दशकों में महिला आरक्षण कानून का सफर काफी लंबा रहा, जैसा कि मेरी सहयोगी सूर्या पिल्लई ने इस विषय पर कुछ दिन पहले बहुत बढ़िया लिखा था। सच तो यह है कि 2008 में कांग्रेस नीत यूपीए ने ही संसद में महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा में पेश किया था, और सुनिश्चित किया कि 2010 में पास हो जाए, राज्य सभा में भी, ताकि यह 'लैप्स' न हो (तय अवधि में पास होना अनिवार्य है, परंतु जब कोई कानून राज्यसभा में पास हो जाए, तब 'लैप्स' नहीं होता)। कांग्रेस को अहसास था कि महिला आरक्षण बिल पर उसकी अपनी यूपीए बंटी हुई है (आरजेडी नेता शरद यादव ने 'पर कटी महिलाएं' जैसा कटाक्ष किया था और समाजवादी पार्टी के नेता मुलायम सिंह यादव ने तो यह तक कह डाला कि अगर संसद महिला आरक्षण कानून पास कर देगी तो यह उन महिलाओं के लिए दरवाज़े खोल देगा 'जिन पर फब्ती कसी जाती और सीटियां बजती हैं', ये बिल पर आपसी मतभेद दर्शाता है), जिसका मतलब था कि उसके पास अपने समय की लोकसभाओं में इसे पास करा लेने को कभी भी पर्याप्त संख्या नहीं रही, लिहाजा उन्होंने दूसरा बेहतर विकल्प चुना।

कांग्रेस के जोर देने पर मोदी सरकार ने 2023 में यह काम आगे बढ़ाया और सुधार करने के बाद कानून पास किया गया। इसीलिए 2023 में, कांग्रेस और बाकी विपक्ष ने, नारी शक्ति वंदन अधिनियम को एकमत से पास कराने में भाजपा का साथ दिया।

और 2026 के बिल में भी यही संदेश मिलना चाहिए था- आम सहमति। जिस प्रकार 2023 में पूरी संसद इस मुद्दे पर सर्वसम्मत थी- केवल दो सांसदों ने बिल के ख़िलाफ़ वोट दिया था- संसद में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने के समर्थन में। इस बार प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और शेष वरिष्ठ भाजपा नेतृत्व को चाहिए था कि विपक्ष को बुलाकर महिला आरक्षण बिल पर उनका समर्थन मांगते। यह भी हो सकता था कि एक संयुक्त संसदीय समिति या कोई विशेष समिति, जिसमें सभी दलों के प्रतिनिधि होते, इस कानून की तमाम धाराओं पर बारीकी से बहस करते -मसलन, क्या इसमें अन्य पिछड़ी जातियों और दलित महिलाओं के लिए 'कोटे के अंदर कोटा' होगा- और एक बार आम सहमति बन जाने के बाद, नया कानून और उसे लागू करने की रूपरेखा को सदन में रखा जाता।

बदकिस्मती से, न तो आम सहमति बनानी चाही और न ही हासिल की जा सकी क्योंकि कोई संवाद नहीं हुआ। इन दिनों संसद इस कदर बंटी हुई है कि सांसद एक-दूसरे से अपमानजनक रूप से बोल रहे हैं, इसके लिए एक बड़े दिल वाले और छोटे अहम वाले नेता की ज़रूरत है, जो छोटी-मोटी बातों और चालबाजियों को भुलाकर दूसरे पक्ष से मेल-मिलाप रखे और संवाद करे।

साफ है, महिला आरक्षण बिल का भी वही हाल हुआ है जो 2020 में तीन कृषि कानूनों का हुआ था। ठीक वैसे ही जिस प्रकार केंद्र को तीनों कानून वापस लेने पड़े, क्योंकि उन्हें लाने से पहले किसान संगठनों और राजनीतिक दलों के साथ बहुत कम संवाद या चर्चा की गई थी -शायद पंजाब के एक हिस्से में बतौर पायलट प्रोजेक्ट इन कृषि कानूनों का प्रयोग किया जा सकता था, जिससे दोनों पक्षों को कोई राह मिल जाती- उसी तरह सत्ता पक्ष महिला आरक्षण कानून पास कराने लायक संख्या नहीं जुटा पाया।

प्रधानमंत्री लोकसभा में विपक्ष के नेता से कह सकते थे: 'आइए मिलकर इतिहास लिखें। अब समय आ गया है कि महिलाएं कम से कम एक-तिहाई आसमान छूएं। यूं तो देश की कुल आबादी में महिलाओं की गिनती 48-49 प्रतिशत है, लेकिन शुरुआत के लिए, उन्हें 33 फीसदी देते हैं'। इसपर विपक्ष के नेता का जवाब होता: 'हां, चलिए, हम साथ हैं'। दुर्भाग्यवश, मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी और के. कनिमोझी अपनी-अपनी दलीलें देते रहे। संसद किस हद तक बदल गयी है, यह तब साफ हो गया जब प्रियंका गांधी-अमित शाह की एक-दो टिप्पणियां जिन्हें पुराने दिनों में संसदीय बहस में सलीके से बात काटने और हाजिर जवाबी का आम तरीका माना जाता था। इस पर कुछ सांसद हंसने लगे, कुछ तो घबराए से भी। सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद की कमी से संसद में महिलाओं के मुद्दे पर टकराव हो गया। एक और अहम बात यह कि शुक्रवार शाम को कानून में संवैधानिक संशोधन असफल रहने के 24 घंटे से भी कम समय पहले, सरकार ने गुरुवार देर शाम 2023 नारी शक्ति अधिनियम अधिसूचना जारी कर दी थी। इसका मतलब है कि कानून अभी सक्रिय है और इसे कभी भी लागू किया जा सकता है।

बिखराव के इस समय में, यह आखिरी प्रयास उम्मीद जगाता है।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

ग्रोथ एक आंकड़ा नहीं माइंडसेट है, जो मूंगफली की दुकान से भी आ सकती है

एन. रघुरामन

'क्यों नहीं आप सड़क किनारे के किसी मूंगफली वाले के पास बैठ कर उससे पूछें कि उसका रोजाना का टर्नओवर कितना है? मान लें कि वह कहता है 350 रुपए, तो उसके साथ बैठकर इसे 700 रुपए तक बढ़ाने की योजना बनाएं। यह किसी भी बिजनेस को 100% बढ़ाने पर फोकस करने का पहला कदम होगा। ऐसा करके आप पैसे, मुनाफे और ग्रोथ का एक साथ अनुभव करेंगे।

अगर मूंगफली वाला न मिले तो किसी स्नैक स्टॉल में बैठकर उसके मालिक को व्यवसाय दोगुना करने में मदद करें।' दशकों से यह सलाह मैं उन सभी एमबीए स्टूडेंट्स को देता आया हूं, जो तीसरे सेमेस्टर में होते हैं और प्लेसमेंट से पहले चौथे सेमेस्टर में किसी कंपनी में इंटर्नशिप करने जाते हैं।

इस एक्सरसाइज की वजह यह है कि हर एमबीए छात्र को इतना सक्षम होना चाहिए कि वह किसी बिजनेस की स्थिति और ग्रोथ की संभावनाओं को देख कर उसमें अवसर और पैसे कमाने के तरीके पहचान सके। जिन स्टूडेंट्स ने यह सरल अभ्यास अपनाया, उन्होंने उन छात्रों की तुलना में कॅरिअर में बहुत बेहतर किया, जिन्होंने इसे बुनियादी और देसी कहकर नजरअंदाज कर दिया।

जो लोग अब भी इस एक्सरसाइज को साधारण मानते हैं, उन्हें मैं आमंत्रित करता हूं कि वे मुंबई की प्रीमियम यूनिवर्सिटी- नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एनएमआईएमएस)- के एमबीए छात्रों द्वारा हासिल परिणाम देखें। उन्होंने एक साधारण वड़ा पाव स्टॉल का नाम बदलकर उसके मालिक की किस्मत बदल दी। ये कहानी है मुंबई के विले पार्ले में वड़ा पाव स्टॉल चलाने वाले बोरुन साहा की, जहां आसपास कई सारे कॉलेज हैं।

साहा का स्टॉल मुंबई में मौजूद सैकड़ों स्टॉल्स जैसा ही था। फर्क सिर्फ लोकेशन का था। वह ऐसे कॉलेज के समीप था, जहां जेन-जी मौजूद थी। एनएमआईएमएस के विद्यार्थी समारा खान, आद्या रविंद्रन, सानवी राणे, माइशा मुखर्जी, अयान अब्बागनी और हितार्थी सावला जब ब्रांडिंग और एडवरटाइजिंग पढ़ रहे थे तो उन्होंने भी 'थिंक आउट ऑफद बॉक्स' जैसा पुराना डायलॉग सुना।

लेकिन इस ग्रुप ने सच में ऊपर बताए गए सुझाव पर अमल शुरू कर दिया। उनका क्लास असाइनमेंट था- 'किसी लोकल बिजनेस को पूरी तरह बदल देना।' ग्रुप ने ऐसा कोई बिजनेस खोजने की ठानी। आखिरकार, वे उसी स्टॉल पर पहुंचे, जहां अकसर मिला करते थे। उन्हें आइडिया आया कि हर कॉलेज का एक पसंदीदा स्नैक स्पॉट होता है। और जिस स्टॉल पर वे जाते थे, वही उनकी लैब बन गया। उन्होंने स्टॉल मालिक बोरुन साहा से बात की और वो मान गए।

क्या आप सोच सकते हैं कि वड़ा पाव विक्रेता साहा ने कभी एमटीवी पर 'स्प्लिट्सविला' जैसा पॉपुलर भारतीय डेटिंग रियलिटी शो देखा होगा? उन्होंने जो रील बनाई, उसे 20 लाख से ज्यादा व्यू मिले। इसमें साहा और उनके ग्राहक 'स्प्लिट्सविला सीजन-16' की बेहतरीन कंटेस्टेंट आकांक्षा चौधरी का समर्थन करते नजर आते हैं। शो का प्रीमियर 2026 की शुरुआत में हुआ था। मूलत: जयपुर की रहने वाली 23 साल की आकांक्षा मॉडल और इंजीनियर हैं। क्या आप यह भी मान सकते हैं कि शायद ही 'एक्स' का मतलब जानने वाले साहा अपने ग्राहकों से कहते हैं कि 'आपको आपके एक्स ने ब्लॉक कर दिया? तो आइए, वड़ा पाव खरीदिए, मैं आपको अपने फोन पर उन्हें स्टॉक करने दूंगा।' छात्रों ने ऐसा कंटेंट तैयार किया, जिसे उनकी पीढ़ी पसंद करती है। उन्होंने लोगो बदला और स्टॉल का नाम 'वडावाओव' रख दिया। आज आसपास के कॉलेजों के स्टूडेंट स्टॉल पर आते हैं और साहा के बेटे से पूछते हैं, 'रील्स वाले भैया कहां हैं, आज आए नहीं क्या?' पिछले 32 साल से स्टॉल चला रहे साहा ने देखा कि इन रील्स के पॉपुलर होने से उनका बिजनेस कई गुना बढ़ गया।

फंडा यह है कि विद्यार्थियों को कामकाजी दुनिया में कदम रखने और कॅरिअर की असली सफलता का स्वाद चखने से पहले छोटे व्यवसायों को ऑनलाइन-ऑफलाइन प्रमोट करके अपने हाथ आजमाने चाहिए।

राष्ट्रीय लक्ष्यों हेतु नागरिक संबल भी मिले

सुरेश सेठ

राष्ट्र के उत्थान के लिये जो बड़े बदलाव के प्रयास होते हैं, यदि वे वाकई परिवर्तन के वाहक हों, तो जनता का सकारात्मक संबल मिलना चाहिए। हमें भविष्य की चुनौतियों के मुकाबले और राष्ट्रीय एकता के लिये कुछ त्याग भी करने चाहिए।

राजग सरकार का दावा है कि उसने देश में हमेशा बदलाव की राजनीति की है। भाजपा ने 1994 में राजनीति के हर चरण पर महिला आरक्षण का मुद्दा उठाया था। अब मौजूदा सरकार ने संसद का एक विशेष सत्र बुलाकर राजनीति में महिला आरक्षण लागू करने का प्रयास किया है। सरकार की मंशा थी कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में भी महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिल जाए। इससे पहले जब राजग सरकार ने अनुच्छेद 370 और 35-ए का 2019 में उन्मूलन किया था तो कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हुआ। कश्मीर से लद्दाख को अलग करके उसके पुन: परिसीमन का प्रयास किया। वैसे देश की कुरीतियों को हटाना भी अगर बदलाव कहें तो जब सरकार ने तीन तलाक को गैर-कानूनी घोषित कर दिया था तो इसे भी एक बदलाव कहा जा सकता है।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि देश में बदलाव का अभियान रुकेगा नहीं। हमारे बदलाव के एजेंडे में अभी भी एक बड़ी बात अधूरी है, एक बड़ा लक्ष्य अभी पूरा करना है, वह यह है कि अलग-अलग धर्मों, जातियों और वर्णों वाले देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाए। इस प्रायद्वीप जैसे बड़े देश में कभी केन्द्र और कभी राज्यों के चुनाव करते समय, शक्ति और पैसा बर्बाद करने की बजाय एक राष्ट्र और एक चुनाव की धारणा को साकार किया जाए। निस्संदेह, समान नागरिक संहिता लागू करने में धार्मिक कट्टरता या व्यावहारिक कठिनाइयां भी सामने आ रही हैं लेकिन इन्हीं पर आज विशेष चिंतन की जरूरत है। देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिये आज इसकी जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंसा और कट्टरता हमारी राजनीतिक संस्कृति में नहीं होनी चाहिए। सरकार का मिशन हो सेवा और लक्ष्य हो विकास। असल में लक्ष्य यह है कि देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनना है तो इसमें एक राष्ट्र एक चुनाव और समान नागरिक संहिता लागू करके कुछ तरक्की की जा सकती है। थोड़ा इन लक्ष्यों पर चिंतन करें, एक राष्ट्र एक चुनाव प्रणाली में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ करवाने का प्रस्ताव है। आलोचक कहते हैं कि यह व्यावहारिक नहीं क्योंकि इस देश में हर पांच वर्ष बाद चुनाव नहीं होते। दल बदलकर सत्ता प्राप्त करने की इस राजनीति में सरकारें टूटती हैं, बनती-बिगड़ती हैं। तब मध्यावधि चुनाव भी करवाने पड़ जाते हैं। ऐसी वास्तविकता में एक राष्ट्र, एक चुनाव की संभावना कैसे फलीभूत होगी?

इसका जवाब यह दिया जाता है कि जहां सरकार टूटे, वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाए और चुनाव एक ही समय पर करवाए जाएं क्योंकि इससे देश को भारी चुनावी खर्च से मुक्ति मिल जाएगी । यह भी सत्य है कि जब-जब जहां चुनाव घोषणाएं होती हैं, सत्तापक्षी-विपक्षी दल आरोपों की राजनीति करते हुए एक दूसरे से भिड़ जाते हैं। अगर एक देश एक चुनाव हो जाएगा तो यह पांच साल में केवल एक बार होगा। हमारा विचार यह है कि यह प्रस्ताव देश के हित में अवश्य है लेकिन राजनीतिक दलों को अपनी सत्ता मोह की राजनीति की जगह जनकल्याण पक्षीय राजनीति अपनानी पड़ेगी।

समान नागरिक संहिता जिसे यूसीसी भी कहते हैं, को लागू करने का विचार बहुत देर से भाजपा के एजेंडे में है। गौर करें कि इस देश में विभिन्न जातियां और विभिन्न धर्म हैं, इसलिए विवाह से लेकर बच्चा गोद लेने तक के अधिकतर कानून एक समान बना दिए जाएं। बेशक हमने अपने संविधान को धर्मनिरपेक्ष घोषित कर रखा है, इसलिए आदर्श स्थिति तो यही है। हमारा देश जाति और धर्म में अस्मिताओं को लेकर बंटा हुआ है। हम कानून के तरीके से समान कानून के साथ एक जाति रहित समाज की कल्पना कर रहे हैं।

बेशक हम पाते हैं कि ब्रिटिश काल के कई पुराने कानून खत्म हुए हैं। सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए भी दस फीसदी आरक्षण मिल गया है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भी हो गया है। देश बदला है, इसे और बदलना चाहिए। सपना राजनीतिज्ञ देखते हैं, लक्ष्य नेतृत्व जारी करता है और आम आदमी जागृति प्राप्त करके इसका पालन करते हुए अपने समाज को एक आदर्श समाज बना सकता है। लेकिन व्यवहार में हर आदमी का संकीर्ण हित उसके सामने सर्वोपरि हो जाता है। वह भूल जाता है कि हजारों लोगों ने डेढ़ सदी तक अंग्रेजों के साथ संघर्ष करके इस देश को आजादी दिलवाई है।

अब इसे भौतिकवाद और निजी स्वार्थपरता के अंधेरों में गुम नहीं कर देना चाहिए। समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र एक चुनाव मौजूदा स्थिति से उठकर एक आदर्श समाज बनाने का सपना है। इस सपने को साकार करने में अभी तक बहुत कठिनाइयां आ रही हैं लेकिन भाजपा सरकार ने अपने दल की वर्षगांठ पर अपनी प्रतिबद्धता फिर इन सपनों को साकार करने के लिए जताई है। इसका अच्छे होने में तो कोई संदेह नहीं। हां, व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करना ही पड़ेगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

सेक्टर-6 ए मार्केट में शुरू किया गया प्याऊ घर

भिलाई। पर्यावरण मित्र मंडल द्वारा रविवार को सेक्टर-6 ए मार्केट भिलाई नगर में संत बाबा आसुदाराम सचो संत संत कंवर राम की स्मृति में धर्मार्थ प्याऊ का उद्घाटन बीएसपी के एजीएम गितेश देवांगन द्वारा किया गया। प्याऊ सेवा का उद्देश्य भीषण गर्मी में बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोगों को शीतल जल प्रदान करना है। इस अवसर पर सियाराम कश्यप, डीपी चौधरी, मनोज चौबे, एसके सेन, जीपी त्रिपाठी, जीपी तिवारी, चंद्रशेखर, मारुति शंकर बल, डीएस मिश्रा, बी बाबू, दीपेश वर्मा, बालू राम वर्मा, तारा शंकर आदि ने सहयोग दिया।

सिल्वर मेडल जीतने पर पहलवान मनु का सम्मान

भिलाई। भिलाई में नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन 10 से 12 अप्रैल तक भिलाई सिविक सेंटर में किया गया। इस दौरान छग के मनु यादव ने 55 किलो भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीत कर छग का मान बढ़ाया। मनु यादव एक किसान का बेटा है, जिसे सुरेश बाबे ने 11000 रु. का चेक देकर मनु यादव को सम्मान दिया। इसपर बीएसपी अखाड़े के कोच भगवान पहलवान ने कहा कि इस गरीब पहलवान को शासन प्रशासन के सहयोग की आवश्यकता है।

डॉ. के. मुखर्जी स्वदेशी पशु संरक्षण के लिए सम्मानित

भिलाई। डॉ. के. मुखर्जी प्रोफेसर (पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन), दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, को देशी पशु नस्लों के संरक्षण और पहचान में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए' पालतू पशु जैव विविधता संरक्षण समिति' द्वारा प्रतिष्ठित फेलोशिप पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 8-9 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के महानिदेशक द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर उप महानिदेशक पशु विज्ञान, राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो के निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्था के निदेशक सहित अनेक गणमान्य वैज्ञानिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। डॉ. मुखर्जी को विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की अवर्णित (नॉन-डिस्क्रिप्ट) देशी नस्लों के संरक्षण एवं वैज्ञानिक पहचान में उनके समर्पित कार्य के लिए सराहा गया। उन्होंने कोसली गाय, छत्तीसगढ़ी भैंस तथा अंजोरी बकरी जैसी स्थानीय नस्लों के लक्षणों का सफलतापूर्वक वर्गीकरण एवं अध्ययन किया है।

गुजरात से फोन पर सहमति देकर बेटी ने पूरी की पिता सुबोध चक्रवर्ती की देहदान की इच्छा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। श्री सुबोध कुमार चक्रवर्ती ने तीन वर्ष पूर्व नवदृष्टि फाउंडेशन के माध्यम से देहदान का संकल्प लिया था कल मध्य रात्रि सेक्टर 9 हॉस्पिटल में उनके निधन का समाचार मिलते ही उनकी पुत्री शिल्पी घोष चौधरी ने गुजरात से नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों को फोन कर पिता का देहदान कर उनकी इच्छा पूर्ण की।

परिवार के सदस्यों—पुत्री शिल्पी घोष चौधरी, पत्नी श्रीमती कल्पिता चक्रवर्ती एवं भांजे रंजीत चक्रबोर्ती की सहमति से देहदान की प्रक्रिया संपन्न हुई।

नवदृष्टि फाउंडेशन के कुलवंत भाटिया एवं प्रभु दयाल उजाला ने वैशाली नगर स्थित निवास पहुंचकर देहदान प्रक्रीया में सहयोग किया।

श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजलि वंजारी के निर्देशन में संदीप रिशबुड, दीपक रवानी एवं दयाराम की टीम द्वारा देहदान की प्रक्रिया पूर्ण की गई।

स्वर्गीय चक्रवर्ती की पत्नी श्रीमती कल्पिता चक्रवर्ती ने बताया कि उनके पति ने जीवनकाल में सदैव समाज सेवा को महत्व दिया और देहदान का संकल्प भी उसी भावना से लिया था। आज उनके परिवार ने अपने मुखिया की अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए यह पुण्य कार्य संपन्न किया।उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं भी अपने पति के साथ देहदान का संकल्प लिया है।

पुत्री शिल्पी घोष चौधरी ने भावुक होकर कहा कि पिता के निधन से पूरा परिवार गहरे सदमे में है, किन्तु उनकी अंतिम इच्छा को पूरा कर उन्हें गर्व एवं आत्मसंतोष की अनुभूति हो रही है।

नवदृष्टि फाउंडेशन के प्रभु दयाल उजाला ने चक्रवर्ती परिवार के इस साहसिक निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम समाज में देहदान एवं नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बल्लेवार, कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, प्रवीण तिवारी, मुकेश आढ़तिया, हरमन दुलई, रितेश जैन, राजेश पारख, जितेंद्र हासवानी, मंगल अग्रवाल, किरण भंडारी, उज्जवल पींचा, सत्येंद्र राजपूत, सुरेश जैन, पीयूष मालवीय, दीपक बंसल, विकास जायसवाल, मुकेश राठी, प्रभु दयाल उजाला, प्रमोद बाघ, सपन जैन, यतीन्द्र चावड़ा, जितेंद्र कारिया, बंसी अग्रवाल, अभिजीत पारख, मोहित अग्रवाल, चेतन जैन, दयाराम टांक, विनोद जैन एवं राकेश जैन सहित अन्य सदस्यों ने स्वर्गीय सुबोध कुमार चक्रवर्ती को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सेवानिवृत्ति पर प्रधानपाठक ने शाला को दान किये 25 हजार

श्रीकंचनपथ समाचार

उपरवाह। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला उपरवाह के प्रधान पाठक बालाराम साहू को 43 वर्षों के शासकीय सेवा के उपरांत सेवानिवृति पर ग्रामवासियों ने विदाई दी। प्रधान पाठक साहू का बाजे गाजे के साथ गांव में स्वागत किया। मुख्य कार्यक्रम मां शीतला प्रांगण में हुआ। मुख्य अतिथि बालाराम साहू थे। अध्यक्षता उपरवाह सरपंच पुनीता नागेश्वर साहू ने की।

■ स्कूल के प्रति अपनी भावनाओं को दी अभिव्यक्ति

विशेष अतिथि शाला प्रबंधन समिति (माध्यमिक) के अध्यक्ष मोनिका धनकर, मिडिल स्कूल तुमड़ीलेवा सेनि प्रधानपाठक परदेशी राम साहू, व्याख्याता साजिद कुरैशी, संकुल समन्वयक सोहन लाल वर्मा थे।

ग्रामवासियों ने सेवानिवृत्त प्रधानपाठक बालाराम को श्रीफल, शॉल, मोमेंटो, सूटकेस भेंटकर सम्मानित किया। बालाराम साहू ने शाला को 25 हजार रुपए नकद राशि प्रदान किया, जिसे बैंक में जमा कर उनके ब्याज को कक्षा आठवीं में प्रथम आने वाले छात्र को प्रति वर्ष सम्मान राशि के रूप में प्रदान किया जाएगा।

सरपंच ने प्रधानपाठक बाला राम को एक अनुशासन प्रिय एवं कर्मठ व्यक्ति बताया। विशिष्ट अतिथि परदेशी राम साहू ने उनके साथ बिताए पलों को याद किया। कार्यक्रम का संचालन रामेश्वर निर्मलकर ने किया।

इस अवसर पर मां शीतला समिति के अध्यक्ष दिनेश्वर लाल साहू एवं उनकी पूरी टीम तथा ग्रामवासियों में कनक कुमार साहू, राम गोपाल साहू, ईश्वर साहू, पेख राम साहू, गेमन साहू, अर्जुन साहू, सरोज साहू, सीमा साहू, धरम सिंह, सीताराम यादव, लक्षनी साहू, रामकुमारी साहू सहित सभी ने कहा कि बालाराम गुरु जी का व्यक्तित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहेगा। सभी ने अवकाश प्राप्त प्रधानपाठक के दीर्घायु व स्वस्थ जीवन की कामना की।

सिंधी समाज ने दादा लेखराज की जीवनी से लिया आध्यात्म का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। ज्ञान सूर्या भवन, हाउसिंग बोर्ड भिलाई में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि संस्थान के संस्थापक दादा लेखराज कृपलानी की जीवनी पर बनी फिल्म देखने भिलाई सिंधी समाज के साथ अन्य समाजों को आमंत्रित किया गया। इसमें आदर्श सिन्ध ब्रादर मंडल एवं साईं झूलेलाल महिला मंडली के महिला-पुरुष शामिल हुए।

यह फिल्म भाग्यविधाता शीर्षक के नाम से बनाई गई, जिसमें परमात्मा की प्राप्ति के नियमों का पालन करने और आध्यात्म की पढ़ाई की अद्भुत कहानी को दर्शाया गया। सिंधी समाज द्वारा दी गई कुर्बानियों को भी दर्शाया गया। इस अवसर पर दीदी बीके वर्षा, बीके मनीषा और बीके स्वाति ने बताया कि इस फिल्म के प्रदर्शन का उद्देश्य आधुनिकता की दौड़ में भारतीय समाज को अपने धर्म, जाति, संस्कारों से दूर हो रहे और सभ्यता भूल रहे नौनिहालों को जोड़े रखने का संदेश देना है।

निगम के प्रयासों से पीएम आवास योजना को मिली नई गति

- आवास हितग्राहियों से सीधा संवाद, समस्याओं के समाधान का भरोसा
- निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने निगम सक्रिय
- बैठक के बाद कई हितग्राही मकान निर्माण के लिए आगे आए

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत वीएलसी घटक के ऐसे हितग्राही, जिन्होंने मकान निर्माण हेतु आवेदन तो किया है लेकिन किसी कारणवश कार्य प्रारंभ नहीं कर पा रहे हैं, उनके लिए नगर निगम दुर्ग द्वारा विशेष पहल की गई। कलेक्टर के निर्देश पर आयुक्त सुमित कुमार अग्रवाल ने रविवार को डाटा सेंटर दुर्ग में बैठक लेकर हितग्राहियों से सीधे संवाद किया।

बैठक में उपस्थित हितग्राहियों से आयुक्त ने व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर उनकी समस्याओं को समझा। कई हितग्राहियों ने आर्थिक अभाव, तो कुछ ने ठेकेदार द्वारा समय पर कार्य नहीं करने की शिकायत रखी। वहीं कुछ ने शुभ मुहूर्त का इंतजार करने की बात कही। आयुक्त ने सभी को शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ करने हेतु प्रेरित करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

88 में से 36 हितग्राही रहे उपस्थित, 20 ने दी सहमति

बैठक में कुल 88 हितग्राहियों में से 36 उपस्थित हुए। विस्तृत चर्चा और समझाइश के बाद लगभग 20 हितग्राहियों ने अपने मकान निर्माण कार्य को जल्द शुरू करने की सहमति व्यक्त की।

जरूरतमंदों को हरसंभव सहायता का भरोसा

नगर निगम का उद्देश्य ऐसे सभी हितग्राहियों को सहयोग प्रदान करना है, जो किसी भी कारण से अपना आवास निर्माण शुरू नहीं कर पा रहे हैं। आयुक्त ने आश्वस्त किया कि पात्र हितग्राहियों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें सभी तरह का सहयोग दिया जाएगा।

बाघों को राहत देने मैत्रीबाग के बाड़ों की कूलिंग

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। गर्मी बढ़ने के साथ ही मनुष्यों के साथ ही पशु-पक्षी भी हलाकान हो रहा हैं। राज्य के सबसे बड़े चिड़ियाघर मैत्री बाग में संवेदनशील प्राणियों को राहत देने के लिए अलग-अलक किस्म के उपाय किये जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि शहर का तापमान 44 डिग्री पहुंचने के साथ ही इंसानों के साथ बेजुबां भी व्याकुल होने लगे हैं। हालांकि मैत्रीबाग जू में पखवाड़े भर पहले ही प्रबंध पूरे कर लिये गये थे पर उसमें इजाफा किया जा रहा है।

वाइट टाइगर के एनक्लोजर को ठंडा रखने ऊपर से पानी की बौछारें की जा रही हैं। जू में छह सफेद बाघ हैं, जिनका खास ख्याल रखा जा रहा है। इनके खानपान को भी संतुलित कर दिया है। हाजमा बना रहे, इसके लिए खाने में बीफ की मात्रा कम कर दी गई है।

वाइट टाइगर के अलावा जू के तीन भालुओं और तेंदुआ के केज के सामने कूलर लगाए गए हैं, ताकि लू के थपेड़ों से बचाया जा सके। खाने में खीरा, तरबूज जैसे पानी व प्रोटीन वाले फल दिए जा रहे हैं।

बर्ड्स काम्पलेक्स को भी सेफ जोन में ले लिया गया है। यहां सभी के कैज के बाहर चटाई लगाई गई है ताकि गर्म हवा की झुलसन से बचे रहें।

ग्रीन चटाई टाइफून के अलावा तीन स्प्रिंकलरों से पानी के फौव्वारों से वातावरण को ठंडा रखा जा रहा है। जू में स्टूअर्ड स्टार्क, सारस, मौर सहित सौ से अधिक परिंदे हैं। मैत्रीबाग के प्रभारी डां. एनके जैन बताते हैं कि बताते हैं कि हर साल गर्मी के मौसम में वन्य प्राणियों के लिए व्यापक प्रबंध किए जाते हैं। इस बार गर्मी बढ़ने के साथ इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं।

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर कुशवाहा समाज ने शहर में बांटी मिठाइयां

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बिहार में कुशवाहा समाज के गौरव सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाने की घोषणा के बाद भिलाई में कुशवाहा समाज के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर समाज के लोगों ने एकत्र होकर जश्न मनाया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने पटाखे फोड़े और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

उपस्थित लोगों ने इसे पूरे कुशवाहा समाज के लिए गर्व और सम्मान का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से समाज को नई पहचान और सशक्त नेतृत्व मिलेगा। इस अवसर पर भाजपा शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए उनके निर्णय का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में योगेंद्र सिंह कुशवाहा, रविंद्र भगत, हरिश्चंद्र कुशवाहा, कमलेश सिंह, संजय सिंह, हरिवंश सिंह, बृजमोहन सिंह, लाल बाबू सिंह, शिव शंकर भगत, संतोष मेहता, संतोष कुशवाहा आदि उपस्थित थे।

दुर्ग स्टेशन पर रेलवे की बड़ी कार्रवाई, बेटिकट, अवैध वेंडर पकड़े, पैंट्रीकार में भी मिला काकरोच

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रेल मंडल में यात्रियों की सुविधा और खाने की गुणवत्ता पर बड़ा एक्शन देखने को मिला जब दुर्ग स्टेशन पर वाणिज्य विभाग और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने अचानक अभियान चलाकर बिना टिकट यात्रा करने वालों और अनाधिकृत वेंडिंग करने वालों पर शिकंजा कस दिया, कार्रवाई के दौरान टीम ने स्टेशन और ट्रेनों में सघन जांच की और नियम तोड़ने वालों को मौके पर ही पकड़कर दंडित किया।

इस पूरी कार्रवाई में रेल अधिनियम की विभिन्न धाराओं 144, 145 बी, 145 और 147 के तहत कुल 16 लोगों पर केस दर्ज किया गया, वहीं बिना टिकट यात्रा कर रहे 59 यात्रियों, 15 अनियमित टिकट वालों और 2 बिना बुक किए सामान ले जाने वालों से कुल 49,100 रुपये का जुर्माना वसूला गया, यह अभियान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के निर्देशन और मंडल वाणिज्य प्रबंधक राकेश सिंह के नेतृत्व में 4 वाणिज्य निरीक्षकों और 2 टीटीई स्टाफ की टीम द्वारा चलाया गया।

इसी दौरान स्टेशन पर मौजूद स्टॉल्स में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की भी जांच की गई ताकि यात्रियों को सुरक्षित और स्वच्छ भोजन मिल सके, लेकिन जांच के दौरान एक चौंकाने वाला खुलासा तब हुआ जब गाड़ी संख्या 12810 हावड़ा-मुंबई मेल के पैंट्रीकार में पेस्ट कंट्रोल के बाद भी कॉकरोच पाए गए जिससे स्वच्छता पर सवाल खड़े हो गए, रेलवे प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि बिना टिकट यात्रा और अवैध वेंडिंग करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी और यात्रियों से अपील की है कि वे केवल वैध टिकट के साथ यात्रा करें और अधिकृत विक्रेताओं से ही सामान खरीदें, किसी भी परेशानी की स्थिति में 139 या रेल मदद का उपयोग करें, साफ संदेश है कि नियम तोड़ोगे तो कार्रवाई तय है।

तालाब किनारे लिख रहे थे सट्टा पट्टी कि तभी आ धमकी पुलिस

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। पुरानी भिलाई इलाके में गत्वा तालाब के पास अंकों पर पैसे का खेल चुपचाप चल रहा था, लेकिन पेट्रोलिंग पर निकली पुलिस और मुखबिर की सटीक सूचना ने पूरे सट्टा खेल का पर्दाफाश कर दिया। तभी ऊपर से पुलिस पहुंच गई और घेराबंदी कर आरोपियों को रंगे हाथ दबोच लिया।

अविनाश ढीमर उम्र 28 वर्ष निवासी शांतिपारा पुरानी भिलाई के रूप में हुई, तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 05 सट्टा पट्टी और सट्टे से प्राप्त नगद रकम 4025 रुपये बरामद हुए। मौके पर ही जप्ती की कार्रवाई पूरी की गई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

थाना पुरानी भिलाई में अपराध क्रमांक 209/2026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 06 में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है, पूछताछ में साफ हुआ कि आरोपी अवैध आर्थिक लाभ के लिए सट्टा संचालन कर रहा था और इलाके में लगातार इस गतिविधि को चला रहा था।

इस पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक तुलसी राम साहू, आरक्षक बंटी सिंह, राजकुमार सिंह और वसीम खान की अहम भूमिका रही, दुर्ग पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि जुआ और सट्टा जैसे अवैध खेल अब किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और ऐसी गतिविधियों पर लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी—क्योंकि छोटे दांव से शुरू हुआ खेल अक्सर बड़े अपराध का रास्ता बन जाता है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तब राज्य होता है मजबूत: लक्ष्मी राजवाड़े

'लक्ष्मी सखी मिलेट्स कार्ट' से आत्मनिर्भरता को मिली नई रफ्तार, हितग्राहियों को मिलेट कार्ट एवं चैक का किया गया वितरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला सशक्तिकरण को राज्य के समग्र विकास की आधारशिला बताते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार, समाज और पूरा राज्य मजबूत होता है। उन्होंने अपने निवास, नया रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय 'लक्ष्मी सखी मिलेट्स कार्ट' वितरण कार्यक्रम में यह उद्बोधन देते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभिन्न स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को 'लक्ष्मी सखी मिलेट्स कार्ट' वितरित किए। इस अवसर पर श्रीमती शैलेन्द्री कुर्रे, श्रीमती डिगेश्वरी निषाद, श्रीमती अनिता ताण्डी, श्रीमती सुमन वर्मा, श्रीमती दीपाली राजपूत, श्रीमती दीपा सोनी, श्रीमती कामिनी बोथरा, श्रीमती सुभद्रा निर्मलकर, श्रीमती गीता साहू एवं श्रीमती प्रीति साहू सहित कई हितग्राही उपस्थित रहीं।

मंत्री ने बताया कि 'मिलेट्स कार्ट' अभियान महिलाओं के लिए स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। कांकेर जिला के नरहरपुर ग्राम की श्रीमती लोकेश्वरी रसिया और अन्य महिलाये प्रतिदिन 2 से 3 हजार रुपये तक तथा प्रतिमाह 25 से 30 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाना है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास, क्षमता और समान अवसर विकसित करने की सतत प्रक्रिया है। जब महिलाएं शिक्षित, सक्षम और आत्मनिर्भर होती हैं, तो परिवार और समाज दोनों का समग्र विकास होता है तथा राज्य की अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ होती है।

इस दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित महिला कोष योजना और सक्षम योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिला कोष योजना के तहत वर्ष 2003 से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को मात्र 3 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। पहली बार 2 लाख रुपये तक तथा समय पर पुनर्भुगतान करने पर दूसरी बार 6 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है। वर्ष 2021 में राज्य सरकार द्वारा 12.77 करोड़ रुपये के पुराने ऋण माफकिए गए, जिससे लगभग 1 लाख महिलाएं पुनः ऋण लेने के लिए पात्र हुईं। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में 10,500 महिलाओं को 10.70 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया, वहीं 2023-24 में 2500 समूहों को 31 करोड़ रुपये ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार सक्षम योजना के अंतर्गत वर्ष 2022-23 में 2.63 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत कर महिलाओं को व्यक्तिगत स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया। इन योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव से महिलाएं पापड़ निर्माण, श्रृंगार सामग्री, किराना व्यवसाय सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़कर प्रतिमाह 1,000 से 5,000 रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च 2026) के अवसर पर बस्तर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा 'लक्ष्मी मिलेट्स कार्ट' अभियान का शुभारंभ किया गया था। इस पहल के तहत राज्यभर में महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। विशेष रूप से नरहरपुर और कांकेर क्षेत्र की महिलाएं इस योजना से उल्लेखनीय आय अर्जित कर रही हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 'लखपति दीदी' जैसी अवधारणाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है।

राज्य सरकार की योजनाएं इस दिशा में ठोस परिणाम दे रही हैं। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गिरीश चंदेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री शैल ठाकुर, साथी परियोजना के राष्ट्रीय समन्वयक मनीष साहू, साथी परियोजना के नोडल अधिकारी प्रोफेसर गजेंद्र चंद्राकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन: किसान मनीष मिश्रा ने खीरे की फसल से प्राप्त की 02 लाख रुपये की आमदनी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुंगेली जिले के पथरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम मदवानी के युवा किसान मनीष मिश्रा ने आधुनिक खेती तकनीकों को अपनाकर सफलता की नई मिसाल प्रस्तुत की है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत उन्हें मिली सहायता ने उनकी आय को लाखों रूपए तक पहुंचाया है। स्नातक शिक्षित किसान मिश्रा के पास लगभग 02 हेक्टेयर कृषि भूमि है। उन्होंने 1200 वर्ग मीटर क्षेत्र में खीरा की उन्नत खेती की शुरुआत की। विभागीय मार्गदर्शन में उन्होंने ड्रिप इरिगेशन सिस्टम, प्लास्टिक मल्चिंग एवं शेडनेट हाउस जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

खेती के दौरान उन्हें विभाग से 50 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ, जिससे लागत कम करने में मदद मिली। खीरा फसल से उन्हें प्रति एकड़ लगभग 175 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ, जिसे उन्होंने 08 से 12 रुपये प्रति किलो की दर से बाजार में विक्रय किया।

इस प्रकार कुल 02 लाख रुपये की आय हुई, जिसमें 70 हजार रुपये लागत निकालने के बाद उन्हें लगभग 1.30 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। किसान श्री मिश्रा ने बताया कि आधुनिक तकनीक और विभागीय सहयोग से खेती अब एक लाभकारी व्यवसाय बन गया है।

उन्होंने अन्य किसानों को भी योजनाओं का लाभ लेकर उन्नत खेती अपनाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि यदि किसान नई तकनीकों को अपनाएं और शासन की योजनाओं का लाभ लें, तो कम क्षेत्र में भी अधिक उत्पादन और बेहतर आय प्राप्त की जा सकती है।

माओवाद के बाद विकास की नई राहः पुसपाल बनेगा ईको-टूरिज्म हब

रिसॉर्ट और ओपन रेस्टोरेंट से बढ़ेगा पर्यटन और आजीविका के साधन : मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कोण्डागांव जिले के पुसपाल क्षेत्र से माओवाद खत्म होने के बाद अब विकास की नई तस्वीर उभर रही है। वर्षों तक प्रभावित रहने के कारण जहां पर्यटन गतिविधियां ठप थीं, वहीं अब केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से क्षेत्र में शांति स्थापित हुई है और पर्यटन की संभावनाएं फिर से जीवंत हो गई हैं।

इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने ग्राम परौदा में लगभग एक करोड़ 45 लाख 96 हजार रूपए की लागत से बनने वाले ईको-टूरिज्म रिसॉर्ट का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही पुसपाल क्षेत्र में ही एक करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से नदी तट पर बनने वाले ओपन रेस्टोरेंट का भी भूमिपूजन किया।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि पुसपाल को विकसित करने का उद्देश्य कोण्डागांव-बस्तर ईको-टूरिज्म सर्किट को मजबूत बनाना है। अभी तक पर्यटक टाटामारी और चित्रकूट तक ही सीमित रहते थे, लेकिन अब पुसपाल में नई गतिविधियां शुरू होने से पर्यटन का दायरा भी बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि यहां भंवरडीह नदी में एटीवी राइड, एडवेंचर स्पोर्ट्स, रिवर राफ्टिंग और बांस राफ्टिंग जैसी गतिविधियां शुरू की जाएंगी। साथ ही पुसपाल वैली में व्यू पॉइंट से सूर्यास्त का अद्भुत नजारा देखने के साथ पर्यटक ईको-कॉटेज में रात्रि में सितारों से भरे आकाश का आनंद लेते हुए विश्राम कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि ईको-टूरिज्म के विकास से स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और क्षेत्र की संस्कृति को देश-विदेश में पहचान मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान तेंदूपत्ता संग्राहकों को संग्रहण कार्ड भी वितरित किए गए। मंत्री श्री कश्यप ने संग्राहकों से अपील की कि वे अधिक मात्रा में और अच्छी गुणवत्ता का तेंदूपत्ता संग्रह करें, ताकि उन्हें बेहतर मूल्य और बोनस का लाभ मिल सके।

अंत में वन विभाग ने सभी जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से वनों को आग से बचाने, उनकी सुरक्षा करने और अवैध अतिक्रमण रोकने में सहयोग की अपील की। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती यशोदा कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

प्राकृतिक खेती से पोषण वाटिका तक, भेलवापाल में किसानों को मिला समग्र कृषि ज्ञान

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा । जिले के ग्राम भेलवापाल में 18 अप्रैल 2026 को एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के 50 से 55 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आधुनिक, लाभकारी एवं टिकाऊ खेती से जुड़ी उन्नत तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती, मृदा संरक्षण तथा सब्जी उत्पादन के वैज्ञानिक तरीकों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और खेती को दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित बनाना रहा।कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के कीट वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक खेती प्रभारी डॉ. योगेश कुमार सिदार ने रासायनिक खेती से होने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने किसानों को बताया कि निरंतर रासायनिक उर्वरक व कीटनाशकों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता घटती है, लागत बढ़ती है और मानव स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। इसके विकल्प के रूप में उन्होंने प्राकृतिक खेती को अपनाने का संदेश देते हुए इसके दीर्घकालिक लाभों पर प्रकाश डाला।डॉ. सिदार ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र एवं दशपर्णी अर्क तैयार करने की विधि को सरल भाषा में समझाया और उनके प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से मृदा स्वास्थ्य सुधार पर जोर देते हुए किसानों को मिट्टी का नमूना लेने की वैज्ञानिक प्रक्रिया समझाई तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि मिट्टी की जांच के आधार पर ही संतुलित पोषण प्रबंधन संभव है, जिससे उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ लागत भी कम होती है।वहीं कार्यक्रम में उद्यानिकी विशेषज्ञ डॉ. गुंजेश्री गोंड ने किसानों को ग्रीष्मकालीन सब्जियों की उन्नत खेती के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने गर्मी के मौसम में उपयुक्त सब्जियों के चयन, उनकी देखभाल, सिंचाई प्रबंधन एवं उत्पादन तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने किसानों को अपने घर के आसपास पोषण वाटिका विकसित करने के लिए प्रेरित किया, ताकि परिवार को वर्षभर ताजी और पौष्टिक सब्जियां उपलब्ध हो सकें तथा बच्चों और महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार हो।

उन्होंने किसानों को देसी सब्जियों के बीज संरक्षण एवं संवर्धन की सलाह भी दी, जिससे स्थानीय जैव विविधता सुरक्षित रह सके।कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी सुरेश कुमार बैक, उद्यान अधीक्षक नवस तिग्गा, आत्मा परियोजना से ज्योति गावड़े, प्रतिमा, रोहित सलाम एवं परमेश सिंह सोरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने किसानों को प्राकृतिक खेती और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाने हेतु प्रेरित किया।

युवा उत्सव 2026: प्रतिभा, नवाचार और संस्कृति का संगम

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। जिले में युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आगामी 24 एवं 25 अप्रैल को युवा उत्सव 2026 ङ्क इंटर कॉलेज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने तैयारियों की समीक्षा हेतु बैठक लेकर आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम को सुव्यवस्थित, आकर्षक एवं यादगार बनाने के लिए समय-सीमा में सभी तैयारियां पूर्ण की जाएं। कलेक्टर मिश्रा ने बताया कि यह उत्सव केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं की प्रतिभा को पहचानने और उसे अवसर से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उत्सव में 20 से अधिक विधाओं को शामिल किया गया है, जिनमें वाद-विवाद, फोटोग्राफी, एकल एवं समूह नृत्य, एकल एवं समूह गायन, म्यूजिकल बैंड, क्विज प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, रैम्प वॉक, आर्ट एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी, फूड फेस्ट सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं प्रमुख हैं। साथ ही,ढ्ढ प्रतियोगिता, साइंस एवं कृषि तकनीकी प्रदर्शनी, रोबोटिक्स वर्कशॉप और स्टार्टअप गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी, जिससे युवाओं को आधुनिक तकनीक एवं नवाचार से जुड़ने का अवसर मिलेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम रहेंगे आकर्षण का केंद्रयुवा उत्सव के अंतर्गत आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

24 अप्रैल को छत्तीसगढ़ी संगीतमय शाम में आरु साहू की प्रस्तुति, द गोल्डन स्टार नाइट ऑर्केस्ट्रा राजिम तथा रायपुर का प्रसिद्ध आवाज क्रांति बैंड अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे। वहीं 25 अप्रैल को चर्चित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लल्लनटॉप के वरिष्ठ पत्रकार सौरभ द्विवेदी का प्रेरक सत्र युवाओं को मार्गदर्शन देगा।

विधायक लता उसेण्डी ने 13 करोड़ रूपए की लागत के विकास कार्यों की दी सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दूरस्थ अंचलों के गांवों तक पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को कोंडागांव जिले के ग्राम माकड़ी में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोंडागांव विधायक लता उसेंडी उपस्थित रहीं।

विधायक उसेंडी ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विकास कार्यों के साथ-साथ आम नागरिकों को व्यक्तिगत योजनाओं का लाभ भी सुनिश्चित किया जा रहा है। महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रत्येक गांव के सर्वांगीण विकास हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के माध्यम से क्षेत्र स्वस्थ बस्तर की दिशा में अग्रसर है, जिसके तहत विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच की जा रही है।

उन्होंने सभी ग्रामवासियों से अपील की कि स्वास्थ्य विभाग की टीम जब घर-घर पहुंचे, तो उन्हें सही जानकारी प्रदान करें, ताकि सभी के लिए स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कुपोषण एवं एनीमिया मुक्त समाज के निर्माण के लिए महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हेतु सामूहिक सहभागिता पर जोर दिया। साथ ही युवाओं सहित सभी नागरिकों से अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया, ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

कलेक्टर ने कहा कि माओवादमुक्त होने के पश्चात शासन द्वारा बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अनेक योजनाएं प्रारंभ की गई हैं। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के माध्यम से सघन स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान हेतु बस्तर मुन्ने अभियान के साथ सुशासन तिहार का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, योजनाओं के शत-प्रतिशत सेचुरेशन सुनिश्चित करने के लिए 'नियद नेल्लानार 2.0' की भी शुरुआत की जा रही है।

विधायक ने प्री. मेट्रिक आश्रम में क्लास रूम निर्माण कार्य लागत 19 लाख रूपए, कन्या आश्रम में क्लास रूम निर्माण कार्य लागत 19.39 लाख रूपए, प्री. मे. बालक छात्रावास में क्लासरूम निर्माण लागत 19.39 लाख रूपए, लैब निर्माण कार्य लागत 22.89 लाख रूपए, नीति आयोग द्वारा लाइब्रेरी निर्माण कार्य 42 लाख रूपए, हीरावण्डी से बालेंग तक पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य लंबाई 6.50 किलोमीटर लागत 685.29 लाख रूपए और शासकीय महाविद्यालय माकड़ी निर्माण कार्य लागत 465.84 लाख रूपए सहित कुल लागत 13 करोड़ 79 लाख रूपए के 18 विकास कार्यो का भूमिपूजन किया

27 हितग्राहियों को मिली आवास की चाबी

शिविर में ग्रामवासियों से विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर कुल 57 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर स्थल में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 27 हितग्राहियों को आवास निर्माण पूर्ण होने पर प्रतीकात्मक चाबी वितरित, समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को 07 छड़ी और 10 हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति, शिक्षा विभाग द्वारा 12 जाति प्रमाण पत्र और गणवेश वितरण, श्रम विभाग द्वारा 07 श्रम कार्ड, खाद्य विभाग द्वारा 46 राशन कार्ड, उद्यान विभाग द्वारा वर्मी बेड प्रदान किए गए। राजस्व विभाग द्वारा किसान किताब, कृषि विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को उड़द बीज वितरण, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 04 हितग्राहियों को पोषण किट और 02 गोद भराई कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इसी प्रकार पशुधन विभाग द्वारा श्रीमती योगश्वरी प्रधान को राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता योजना से 70 हजार, उन्नत मादा वत्स पालन योजना अंतर्गत दीपेन्द्र साहू को 14 हजार 625 रूपए और सुपोती मरकाम को 17 हजार 550 रूपए, त्रयी सुकर योजना अंतर्गत मंगलु मरकाम और मुकेश नेताम 09-09 हजार रूपए की अनुदान राशि दी गई। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, सहकारी समिति द्वारा 06 नवीन केसीसी धारक किसानों को ऋ ण स्वीकृति और राजस्व विभाग द्वारा 09 किसानों को डिजिटल किसान किताब का वितरण किया गया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक सेवकराम नेताम, दीपेश अरोरा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती जुगबती पोयाम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रदमा बघेल एवं श्रीमती भगवती नेताम, जनपद उपाध्यक्ष बैसाखु कोर्राम, दीपेश अरोरा, जनपद सदस्य पन्नालाल नेताम, पूजा शर्मा, विरेन्द्र प्रधान, रूखमणी पोयाम, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, जनपद पंचायत सीईओ गजेंद्र धुरडे, सरपंचगण, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ऐश्वर्या राय और कटरीना कैफ से हो रही वामिका गब्बी की तुलना, अक्षय ने बताया कैसे अलग हैं अभिनेत्री

सोशल मीडिया पर वामिका गब्बी की तुलना ऐश्वर्या राय और कटरीना कैफ से हुई। इस पर अक्षय कुमार ने वामिका गब्बी का बचाव किया है। उन्होंने वामिका के बारे में कई खास बातें बताई हैं। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ अभिनेत्री वामिका गब्बी ने भी अभिनय किया हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने वामिका गब्बी की तुलना ऐश्वर्या राय और कटरीना कैफ से की है। ऐसे में अक्षय कुमार ने वामिका गब्बी का बचाव किया है।

वामिका की हुई ऐश्वर्या और कटरीना से तुलना

कई सोशल मीडिया यूजर्स उम्मीद कर रहे हैं कि अक्षय और वामिका की नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी वैसी ही होगी जैसी उनके साथ कटरीना की जोड़ी थी। इस बीच, वामिका गब्बी की तुलना ऐश्वर्या राय से भी की गई। कई यूजर्स ने कहा कि दोनों की आंखें एक जैसी हैं। इन तुलनाओं पर शुभंकर मिश्रा से बातचीत में अक्षय कुमार ने कहा कि वामिका गब्बी ने इंडस्ट्री में अपना रास्ता खुद बनाया है।

अक्षय कुमार ने किया वामिका गब्बी का बचाव

उन्होंने कहा, 'उनकी (वामिका की) आंखें ऐश्वर्या राय जैसी हैं, लेकिन उनकी अपनी पहचान है। वह अपने तरीके से काम कर रही हैं। वह बहुत स्ट्रगल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में आई हैं। उन्होंने पंजाबी फिल्मों में काम किया और अब वह हिंदी, तेलुगु और तमिल सिनेमा में काम कर रही हैं। हर जॉनर को एक्सप्लोर कर रही हैं।'

'भूत बंगला' का कलेक्शन

प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म 'भूत बंगला' में राजपाल यादव, परेश रावल, जीशु सेनगुप्ता और तब्बू भी अहम रोल में हैं। इस हॉरर-कॉमेडी में अक्षय कुमार और प्रियदर्शन ने 14 वर्षों के बाद एक साथ काम किया है। यह फिल्म 17 अप्रैल को रिलीज हुई। फिल्म को मिले-जुले रिव्यू मिले। इसने दो दिनों में बॉक्स ऑफिस पर लगभग 35 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

पति पत्नी और वो दो की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

15 मई को दस्तक देगी आयुष्मान खुराना-सारा अली की फिल्म?

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की अपकमिंग फिल्म पति पत्नी और वो दो में पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म में वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगी। दर्शक इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे, जो अब खत्म हो चुका है। मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। पैंस के लिए एक और खुशी की बात यह है कि आखिरकार फिल्म का पहला लुक पोस्टर जारी कर दिया, जिसमें आयुष्मान खुराना का नया किरदार प्रजापति पांडे दिखाई दे रहा है। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की साथ में पहली फिल्म पति पत्नी और वो दो 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पति पत्नी और वो दो का पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने फिल्म की कहानी के बारे में एक हिंट दिया और लिखा, शिकारी खुद हो गया शिकार! अब जाल में फंस गए हमारे प्रजापति पांडे। हो जाओ पति पत्नी और वो दो के लिए तैयार! सिनेमाघरों में 15 मई 2026 को! बता दें कि पिछले साल मेकर्स ने बताया था कि यह फिल्म 04 मार्च, 2026 को होली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, बाद में फिल्म की रिलीज टाल दी गई।

पोस्टर में उदास आयुष्मान खुराना जाल में फंसे हुए दिख रहे हैं, जिसे ऊपर से तीन औरतें पकड़े हुए हैं। इससे पता चलता है कि वह किसी मुश्किल हालात में फंस गए हैं। तस्वीर में वह एक चीते के बगल में बैठे हुए नजर आ रहे हैं। यह पोस्टर लोगों को बहुत पसंद आ रहा है, जो उनके किरदार और कहानी की झलक दिखा रहा है। पति पत्नी और वो दो के बाद आयुष्मान और सारा अली खान जासूसी कॉमेडी थ्रिलर फिल्म उड़ता तीर में भी साथ नजर आएंगे। एक्टर के पास ये प्रेम मोल लिया भी पाइपलाइन में है। वहीं, रकुल की तमिल फिल्म इंडियन 3 में दिखाई देंगी, जो अभी पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है। वामिका के पास भी अलग-अलग भाषाओं की कई फिल्में हैं।

अनानास के तने को फेंकने के बजाय इन 5 तरीकों से किया जा सकता है इस्तेमाल

आमतौर पर लोग अनानास के तने को फेंक देते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि इसमें कई पोषक तत्व होते हैं। इसमें विटामिन-सी, विटामिन-बी6, पोटेशियम और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। इस लेख में हम आपको अनानास के तने के कुछ ऐसे उपयोग बताएंगे, जिनके बारे में जानकर आप इसे फेंकने के बजाय इसका इस्तेमाल करना चाहेंगे। इन तरीकों से आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

सलाद में शामिल करें

अनानास के तने को सलाद में शामिल करना एक बेहतरीन तरीका है। इसे छोटे टुकड़ों में काटकर अपने सलाद में डालें। इससे न केवल सलाद का स्वाद बढ़ेगा, बल्कि इसमें पोषण भी जुड़ेगा। अनानास का तना ताजगी भरा होता है, जो आपके सलाद को और भी पौष्टिक बना देगा। यह आपके भोजन को ज्यादा रंगीन और आकर्षक बनाएगा, साथ ही आपके शरीर को जरूरी विटामिन और खनिज भी प्रदान करेगा।

रस बनाएं

अनानास के तने का रस पीना आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद तत्व पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करते हैं और शरीर की रोगों से लडने की क्षमता को बढ़ाते हैं। यह रस शरीर को साफ करने में भी सहायक है। इसे बनाने के लिए तने को छोटे टुकड़ों में काटकर रस निकालने की मशीन में डालें। आप इसमें थोड़ा नींबू का रस भी मिला सकते हैं, ताकि इसका स्वाद और बेहतर हो जाए।

स्मूदी में मिलाएं

स्मूदी बनाते समय आप उसमें अनानास के तने को भी मिला सकते हैं। इससे आपकी स्मूदी पौष्टिक बनेगी और उसका स्वाद भी बढ़ जाएगा। यह आपके शरीर को जरूरी विटामिन और खनिज प्रदान करेगा। इसे बनाने के लिए एक ब्लेंडर में दूध या दही के साथ तने के टुकड़े डालें और अच्छे से मिलाएं। आप इसमें थोड़ा शहद या अन्य फल भी मिला सकते हैं, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाएगा।

सब्जियों के साथ पकाएं

सब्जियों को पकाते समय अगर आप उसमें थोड़े टुकड़े अनानास के तने के डाल दें तो इसका स्वाद बहुत ही खास आएगा। इससे सब्जियों का स्वाद बढ़ जाएगा और वे अधिक पौष्टिक बनेंगी। इसके अलावा यह आपके भोजन को एक नया रंग और खुशबू देगा। इसे बनाने के लिए सब्जियों को पहले हल्का-सा भूनें, फिर उसमें तने के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिलाएं और पकाएं। यह आपके भोजन को और भी लाजवाब बना देगा।

त्वचा के लिए स्क्रब बनाएं

त्वचा की सफाई करने के लिए आप अनानास के तने का स्क्रब बना सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करते हैं और त्वचा को ताजगी प्रदान करते हैं। इसे बनाने के लिए अनानास के तने को छोटे टुकड़ों में काटें, फिर उसे थोड़ी चीनी या नमक के साथ मिलाकर हल्के हाथों से रगड़ें। इससे आपकी त्वचा मुलायम बनेगी और उसमें निखार आएगा। यह स्क्रब त्वचा की गहराई तक जाकर उसे साफ करता है।

क्या हरनाज संधू के हाथ लगेगी विक्की कौशल की महावतार? फिल्म पर आई ये जानकारी

छावा की अपार सफलता के बाद, विक्की कौशल पौराणिक फिल्म महावतार को लेकर चर्चा में हैं। अमर कौशिक की इस फिल्म में उन्हें भगवान विष्णु के छठे अवतार चिरंजीवी परशुराम के किरदार में देखा जाएगा।

पहले खबर थी कि निर्माता फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के लिए दीपिका पादुकोण से बात कर रहे हैं। फिर श्रद्धा कपूर का नाम चर्चा में आया। अब इस भूमिका के लिए मिस यूनिवर्स 2021 रहीं हरनाज संधू का नाम सामने आ रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना से जुड़े एक सूत्र ने बताया, फिल्म निर्माता महावतार में विक्की कौशल के साथ एक नए चेहरे को कास्ट करके एक नई जोड़ी बनाना चाहते थे, और वे इस भूमिका के लिए हरनाज़ संधू से बातचीत कर रहे हैं। यह नई जोड़ी पंजाब के 2 मूल अभिनेताओं को एक साथ लाएगी, जो दर्शकों को बांधे रखेगी।

इससे पहले रिपोर्ट में बताया गया था कि फिल्म के लिए श्रद्धा से बातचीत चल रही है।

जाहिर है कि मिस यूनिवर्स 2021 का ताज पहनने के बाद, हरनाज को घर-घर में पहचान मिली है। उनकी लोकप्रियता में बढ़ावा देने का काम टाइगर श्रॉफकी फिल्म बागी 4 ने किया है। इसमें उनके अभिनय को लोगों से खूब सराहना मिली थी। इसके अलावा, हरनाज यारा दियां पून बरन और बाई जी कुट्टन गे जैसी पंजाबी फिल्मों का हिस्सा भी रही हैं। विक्की की बात करें, तो उन्हें अगले साल फिल्म लव एंड वॉर में देखा जाएगा।

लूज पाउडर बनाम कॉम्पैक्ट पाउडर: दोनों में से किसका इस्तेमाल करना है बेहतर?

लूज पाउडर और कॉम्पैक्ट पाउडर मेकअप के 2 उत्पाद हैं, जो बेस को सेट करने और एक अच्छी फिनिश देने में मदद करते हैं। हालांकि, दोनों की बनावट और उपयोग में फर्क होता है। लूज पाउडर आमतौर पर ढीला होता है, जबकि कॉम्पैक्ट पाउडर ठोस रूप में आता हैं। इस लेख में हम इन दोनों उत्पादों के बीच के अंतर और उनके उपयोग के सही तरीकों पर चर्चा करेंगे, ताकि आप अपने मेकअप रूटीन को बेहतर बना सकें।

लूज पाउडर की खासियत

लूज पाउडर को बेस मेकअप सेट करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह चेहरे पर हल्की और महीन परत बनाता है, जिससे मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है। लूज पाउडर को ब्रश या स्पंज की मदद से चेहरे पर लगाया जाता है। यह खासकर गर्मियों में और अधिक तेलीय त्वचा वालों के लिए फायदेमंद होता है, क्योंकि यह अतिरिक्त तेल को सोख लेता है और चेहरे को मैट फिनिश देता है।

कॉम्पैक्ट पाउडर क्या है?

कॉम्पैक्ट पाउडर एक ठोस रूप में आता है, जिसे आसानी से पर्स में रखा जा सकता है। इसे टच-अप के लिए कहीं भी और कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है। कॉम्पैक्ट पाउडर हल्का होता है और त्वचा पर एक चिकनी और चमकदार फिनिश देता है। इसे चेहरे पर हल्के हाथों से लगाना चाहिए, ताकि यह अच्छी तरह से फैले और त्वचा को एक प्राकृतिक लुक दे सके। कॉम्पैक्ट पाउडर का उपयोग रोजमर्रा के मेकअप के लिए सही है।

दोनों उत्पादों के बीच का फर्क

लूज पाउडर और कॉम्पैक्ट पाउडर चेहरे को सेट करने के लिए इस्तेमाल होते हैं, लेकिन उनकी बनावट और उपयोग में फर्क होता है। लूज पाउडर अधिक महीन और हल्का होता है, जबकि कॉम्पैक्ट पाउडर ठोस और अधिक टिकाऊ होता है। लूज पाउडर अधिक तेलीय त्वचा वालों के लिए बेहतर होता है, क्योंकि यह अतिरिक्त तेल को सोख लेता है। वहीं, कॉम्पैक्ट पाउडर सभी प्रकार की त्वचा पर अच्छा काम करता है।

त्वचा के अनुसार चुनें सही उत्पाद

आपकी त्वचा का प्रकार और जरूरतें ही तय करती हैं कि आपको कौन-सा उत्पाद चुनना चाहिए। अगर आपकी त्वचा अधिक तेलीय है तो लूज पाउडर बेहतर रहेगा, क्योंकि यह अतिरिक्त तेल को सोख लेगा। वहीं, अगर आपकी त्वचा सूखी या सामान्य है तो कॉम्पैक्ट पाउडर आपके लिए उपयुक्त रहेगा।

कॉम्पैक्ट पाउडर चेहरे से पसीना आदि हटाने के भी काम आता है। सही चयन करने से आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहेगा और आपको एक सुंदर लुक मिलेगा।

खास खबर

विद्यार्थियों ने पक्षियों के लिए बनाए घोंसले, संवेदनशील शिक्षा का दिया संदेश

रायपुर। शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का समावेश भी आवश्यक है। इसी सोच को साकार करते हुए जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन में सारागांव हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने एक प्रेरणादायक पहल की है।विद्यालय में आयोजित समर कैम्प के दौरान कक्षा 12वीं की छात्राओं—छाया, साक्षी और टीना ने मिलकर पक्षियों के लिए सुरक्षित एवं आकर्षक घोंसलों का निर्माण किया। इन घोंसलों को रचनात्मक ढंग से तैयार कर विद्यालय परिसर के पेड़ों पर स्थापित किया गया, जिससे भीषण गर्मी में पक्षियों को आश्रय और सुरक्षा मिल सके।विद्यार्थियों की इस पहल ने पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जीवों के प्रति करुणा और जिम्मेदारी का संदेश दिया है। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों में सामाजिक सरोकार, सहयोग और प्रकृति के प्रति जुड़ाव की भावना को भी बढ़ावा मिला है।

कवर्धा शहरवासियो को मिला सुव्यवस्थित चौपाटी की सौगात

कवर्धा। नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा शहर के सुव्यवस्थित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वन विभाग कार्यालय के सामने राशि 64 लाख 34 हज़ार की लागत से सर्वसुविधायुक्त चौपाटी का निर्माण किया गया है। इस नव निर्मित चौपाटी में शहर के 60 फुटपाथ विक्रेताओं को व्यवस्थित रूप से स्थान प्रदान किया गया।नगरपालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा की कवर्धा विधायक एवं छतीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा की मंशानुरूप छोटे व्यापारियों और फुटपाथ विक्रेताओं को स्थायी और सुरक्षित व्यवसायिक स्थान उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के नेतृत्व में पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए लॉटरी पद्धति अपनाई गई, जिससे सभी पात्र विक्रेताओं को निष्पक्ष रूप से स्थान आवंटित किया जा सका।इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि शहर में अव्यवस्थित रूप से फैल रहे फुटपाथ व्यापार को एक व्यवस्थित रूप देने के साथ-साथ विक्रेताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता है। चौपाटी में स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे व्यापारियों और आम नागरिकों दोनों को सुविधा मिलेगी। इस पहल से जहां एक ओर शहर की सुंदरता और यातायात व्यवस्था में सुधार होगा, वहीं दूसरी ओर फुटपाथ विक्रेताओं को सम्मानजनक और स्थायी आजीविका का अवसर प्राप्त होगा। स्फुटपाथ विक्रेताओ ने भी इस व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे शहर के विकास की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है। एक ही स्थान पर मिलेगा हर प्रकार का व्यंजननव निर्मित चौपाटी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां शहरवासियों को एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध होंगे।

परशुराम जयंती समारोह में पहुंचे उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर संजूदेवी राजपूत, दी अनेक सौगातें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत कोरबा में परशुराम द्विज परिवार व सर्वब्राम्हण समाज द्वारा आयोजित भगवान परशुराम जयंती समारोह में पहुंचे, दोनों समाज के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण किया तथा समाज के लोगों की मांग पर अनेकों सौगात प्रदान की, उन्होने भगवान परशुराम जी की जयंती की अपनी हार्दिक शुभकामनायें व बधाई समाज के लोगों को दी तथा उनके आशीर्वाद की कामना की। इस मौके पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर व पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित नप्रतिनिधिगण व समाज के लोग उपस्थित थे।

आज परशुराम जयंती के अवसर पर परशुराम द्विज परिवार व सर्वब्राम्हण समाज कोरबा के द्वारा अपने-अपने भवनों में परशमुराम जयंती समारोह का आयोजन किया गया। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर संजूदेवी राजपूत ने समारोह में पहुंचकर भगवान श्री परशुराम जी का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा इस मौके पर अनेक सौगातें भी प्रदान की।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के द्वारा परशुराम द्विज परिवार के भवन के प्रथम तल के शेष कार्य एवं द्वितीय तल के निर्माण कार्य हेतु 25 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई थी, उक्त निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिसका लोकार्पण आज उनके करकमलों से किया गया। इसी प्रकार सर्वब्राम्हण समाज के ब्रम्हवाटिका के समीप उद्योग मंत्री श्री देवांगन के प्रयास से जिला खनिज न्यास मद से 20 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, प्रसाधन निर्माण व अन्य विकास कार्य कराये गये हैं, इसका लोकार्पण भी उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने भगवान परशुराम जी की जयंती की बधाई देते हुये कहा कि ब्राम्हण समाज हर वर्ग व समाज के कल्याण के लिये कार्य करता है, उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करता है तथा विश्व कल्याण की कामना रखता है। भगवान परशुराम का आशीर्वाद हम सब पर बना रहे, मैं यह कामना करता हूँ।

उद्योग मंत्री व महापौर कोरबा के विकास के लिये समर्पित : इस अवसर पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री देवांगन व महापौर श्रीमती राजपूत की यह जोड़ी कोरबा के विकास के लिये, नागरिक सुविधाओं की बेहतरी के लिये, पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है, इसी का परिणाम है कि कोरबा का तेजी से विकास हो रहा है, सभापति श्री ठाकुर ने इस मौके पर भगवान परशुराम जी की जयंती की अपनी हार्दिक शुभकामनायें दी।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता देवेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि उद्योग मंत्री देवांगन अपने सहज, सरल स्वभाव के लिये जाने जाते हैं, श्री देवांगन ब्राम्हण समाज ही नहीं बल्कि सभी समाज के लोगों का भरपूर सम्मान करते हैं, यही कारण है कि उन्हें सभी समाजों का पूरा आशीर्वाद भी मिल रहा है। वहीं वरिष्ठ नेता हरीश परसाई ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने हर समाज को सदैव कुछ न कुछ दिया है, वे आगे भी देते रहेंगे, महापौर श्रीमती राजपूत भी लोगों की भलाई के लिये, सदैव तत्पर रहती हैं, दोनों के प्रयास से कोरबा का तेजी से विकास होगा, मैं यह आशा करता हूँ। उन्होने कहा कि ब्राम्हण समाज सभी के लोगों की भलाई व सुख समृद्धि की सदैव कामना करता है। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता बृजेश कुमार शुक्ला ने घंटाघर में भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापना एवं चौक का नाम भगवान परशुराम चौक किये जाने का आग्रह उद्योग मंत्री व महापौर से किया।

इस मौके पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने दोनों भवनों के लोकार्पण के साथ-साथ अनेक सौगातें भी समाज के लोगों को दी। उन्होने परशुराम द्विज परिवार के भवन एवं सर्वब्राम्हण समाज के भवन में आवश्यकतानुसार संख्या में ए.सी. लगाये जाने की घोषणा की, इसी प्रकार परशुराम द्विज परिवार की महिला विंग की पदाधिकारियों द्वारा अपने सामाजिक कार्यक्रम हेतु 50 हजार रूपये की मांग किये जाने पर 01 लाख रूपये दिये जाने की घोषणा उद्योग मंत्री ने की। सर्वब्राम्हण समाज के भवन में आवश्यकता को देखते हुये बिना मांगे ही उद्योग मंत्री देवांगन ने 05 नग नये ए.सी. लगवाये जाने की घोषणा की। इसी प्रकार महिला विंग के सामाजिक कार्यक्रमों के लिये भी आर्थिक सहयोग प्रदान करने की घोषणा भी की।

सभी समाज की चिंता करते हैं उद्योग मंत्री

इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने परशुराम जयंती की अपनी हार्दिक शुभकामनायें उपस्थित लोगों को दी तथा कहा कि मुझे खुशी है कि समाज के जो भवनों को समाज की सेवा में आज समर्पित किया जा रहा है, उन्होने कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन सभी समाज व वर्ग के लोगों के हितों की चिंता करते हैं, सभी के लिये कार्य कर रहे हैं, आज कोरबा की जो व्यवस्थायें सुधर रही हैं, कोरबा विकास पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, सड़कों पर व्यवसाय करने वालों के लिये स्थाई व्यवस्था हो रही है, वह सब श्री देवांगन के आशीर्वाद व सहयोग से ही संभव हो पा रहा है।

उक्त दोनों कार्यक्रमों के दौरान चन्द्रलोक सिंह, सत्येन्द्र दुबे, राकेश वर्मा, मण्डल अध्यक्ष राजेश राठौर, प्रफुल्ल तिवारी, राजेन्द्र पाण्डेय, देवेन्द्र पाण्डेय, दुष्यंत तिवारी, हरीश परसाई, हेमंत शर्मा, डॉ.संजय तिवारी, अरूण शर्मा, अजय पाण्डेय, अधिवक्ता बृजेश शुक्ला, भूषण प्रसाद तिवारी, कमलेश मिश्रा, वाई.के.तिवारी, विकास जोशी, पुरूषोत्तम तिवारी, तपन तिवारी, जे.एन.दुबे, रश्मि शर्मा, शोभना परसाई, रेखा त्रिपाठी, गायत्री नायक, सुधा झा, राकेश मिश्रा, श्रीधर द्विवेदी, पुनीराम साहू, रामकुमार जोशी, ए.के.सतपठी, के.डी.दीवान, आशीष द्विवेदी, कृष्णा द्विवेदी, राजेश मिश्रा मिटठू, दिलीप पाण्डेय, कल्पना पाण्डेय, सावित्री शुक्ला, पुष्पा तिवारी, भारती पाण्डेय, दिलीप पाण्डेय आदि के साथ समाज के लोग उपस्थित थे।

स्क्रैप से होने वाली आय और गैर-किराया राजस्व में वृद्धि से रेलवे को यात्री किराए में वृद्धि किए बिना स्टेशन अनुभव बेहतर बनाने में मदद मिली

स्वच्छ स्टेशन, आधुनिक बुनियादी ढांचा, उन्नत सुविधाएं और बेहतर सुरक्षा प्रणालियां यात्री अनुभव को बेहतर बना रही हैं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय रेलवे, स्क्रैप से होने वाली निरंतर आय और गैर-किराया राजस्व स्रोतों में लगातार वृद्धि की मदद से यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाते हुए अपनी वित्तीय स्थिरता को मजबूत कर रहा है और यह सभी सुविधाएं बिना यात्री टिकट किराए बढ़ाए मुमकिन हो पा रही हैं। निष्क्रिय संपत्तियों से मूल्य प्राप्त करके और किराए के अलावा अन्य नए राजस्व स्रोतों का विस्तार करके, रेलवे यह सुनिश्चित कर रहा है कि स्टेशन पर सुविधाओं, स्वच्छता, डिजिटल सेवाओं और यात्री सुविधाओं में सुधार वित्तीय रूप से टिकाऊ तरीके से हासिल किए जाएं। यह संतुलित दृष्टिकोण कुशल परिसंपत्ति प्रबंधन, ग्राहक-केंद्रित निवेश और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं पर रणनीतिक फोकस को दर्शाता है, जो अधिक आरामदायक, आधुनिक और विश्वसनीय यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए रेलवे की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

भारतीय रेलवे ने स्क्रैप निपटान में एक अहम उपलब्धि हासिल की है और वित्तीय वर्ष 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया है। 6000 करोड़ रुपए के लक्ष्य के मुकाबले, रेलवे ने 6813.86 करोड़ रुपए की स्क्रैप बिक्री दर्ज की, जो निर्धारित बेंचमार्क से कहीं अधिक है और उल्लेखनीय दक्षता दर्शाती है। यह उपलब्धि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के मजबूत प्रदर्शन पर आधारित है, जिसमें भारतीय रेलवे ने 5400 करोड़ रुपए के लक्ष्य को पार करते हुए 6641.78 करोड़ रुपए की स्क्रैप बिक्री की थी।

निरंतर स्क्रैप मुद्रीकरण भारतीय रेलवे के कुशल परिसंपत्ति प्रबंधन और पारदर्शी निपटान तंत्र के प्रति केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस्तेमाल में ना आने वाली सामग्रियों को व्यवस्थित रूप से हटाकर, संगठन न केवल निष्क्रिय परिसंपत्तियों से मूल्य प्राप्त कर रहा है, बल्कि डिपो, यार्ड और कार्यशालाओं में महत्वपूर्ण स्थान भी खाली कर रहा है। यह पहल पुनर्चक्रण को बढ़ावा देकर और अपशिष्ट संचय को कम करके पर्यावरणीय स्थिरता में भी अहम योगदान देती है।

गैर-किराया राजस्व (एनएफआर) भारतीय रेलवे की वित्तीय स्थिरता को मजबूत करने का एक ज़रुरी स्तंभ बनकर उभरा है, जिससे पूरे नेटवर्क में यात्रियों को सीधा लाभ मिलता है। स्टेशन पुनर्निर्माण, विज्ञापन, रेलवे संपत्तियों का व्यावसायिक उपयोग और अन्य नवोन्मेषी पहलों जैसे माध्यमों से राजस्व उत्पन्न करके, एनएफआर यात्री किराए और माल ढुलाई से होने वाली आय पर अत्यधिक निर्भरता को कम करता है। यह अतिरिक्त आय भारतीय रेलवे को आधुनिक बुनियादी ढांचे में पुनर्निवेश करने, स्टेशन सुविधाओं को उन्नत करने, स्वच्छता और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने, डिजिटल सेवाओं में सुधार करने और बेहतर ट्रेनें और सुरक्षा प्रणालियाँ शुरू करने में सक्षम बनाती है।

कुल मिलाकर इससे यात्रियों को अधिक आरामदायक, सुविधाजनक और विश्वसनीय यात्रा अनुभव मिलता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में लगभग 290 करोड़ रुपए से वित्तीय वर्ष 2025-26 में 777.76 करोड़ रुपए तक एनएफआर आय में लगातार वृद्धि एक मजबूत विकास पथ को दर्शाती है, जो पांच वर्षों में लगभग 168त्न की कुल वृद्धि दर्ज करती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित एनएफआर लक्ष्य 720.85 करोड़ रुपए था, जिसे वास्तविक आय 777.76 करोड़ रुपए तक पहुँचकर पहले ही पार कर लिया गया है, जो लगभग 107.9त्न की उपलब्धि है।

'आशा किरण सम्मान' से सम्मानित हुए माधव लाल यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शकुंतला फाउंडेशन, छत्तीसगढ़ द्वारा समाज सेवा और सरजू बांधा मुक्तिधाम के संरक्षण एवं संवर्धन में उत्कृष्ट योगदान के लिए कृष्ण मित्र फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष माधव लाल यादव को 'आशा किरण सम्मान' से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान वृंदावन हॉल, रायपुर में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। शकुंतला फाउंडेशन ने माधव लाल यादव के 30 वर्षों से अधिक समय से किए जा रहे निस्वार्थ सेवा कार्यों, विशेषकर लावारिस शवों का अंतिम संस्कार, मुक्तिधाम का सौंदर्यकरण, गौ सेवा एवं सामाजिक जागरूकता के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर माधव लाल यादव ने कहा, यह सम्मान मेरा नहीं, पूरे कृष्ण मित्र फाउंडेशन परिवार और उन सभी दानदाताओं का है जो निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में सहयोग करते हैं। सरजू बांधा मुक्तिधाम को एक आदर्श सेवा स्थल बनाना हमारा संकल्प है। माधव लाल यादव को अब तक प्राप्त प्रमुख सम्मान: - समाज रत्न सम्मान 1998, - संत गाडगे सद्भावना सम्मान 2013, - गौ सेवक सम्मान 2016, - समाज गौरव सम्मान, छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान 2018, - अक्षत सम्मान 2022, - उत्कृष्ट समाज सेवा सम्मान 2023, - आशा किरण सम्मान 2026 - शकुंतला फाउंडेशन द्वारा आदि है।

विधायक ने ग्राम मथनीबेड़ा में 'अस्मिता परियोजना' का शुभारंभ

महिलाओं को मिलेगा स्वरोजगार का सशक्त अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिवासी बहुल कोंडागांव जिले के ग्राम मथनीबेड़ा में शुक्रवार की शाम बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक लता उसेंडी द्वारा नीति आयोग मद से महत्वाकांक्षी पहल अस्मिता परियोजना का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक ने कहा कि गांव के हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए यह कार्ययोजना बनाई गई है। अस्मिता परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि स्वतंत्र एवं सफल उद्यमी के रूप में स्थापित करना है। इस पहल के माध्यम से महिलाओं को व्यक्तिगत पोल्ट्री शेड प्रदान कर स्थायी एवं दीर्घकालिक स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। परियोजना के तहत महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ समाज में सम्मानजनक पहचान दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही गांव को पक्की सड़क की सुविधाएं मिलेगी और सरकार के मंशानुरूप गांव में सभी आवश्यक मुलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि अस्मिता प्रोजेक्ट के तहत पायलेट प्रोजेक्ट मथनीबेड़ा गांव को चयनित किया गया है और पहले चरण में 07 महिला हितग्राहियों का चयन किया गया है और जल्द ही गांव के अन्य हितग्राहियों को भी आजीविका गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम को जिला पंचायत सदस्य नंदलाल राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित करते हुए इस पहल को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रामदई नाग, श्री दीपेश अरोरा, श्री प्रेम सिंह नाग सहित जनपद पंचाय सीईओ श्री उत्तम महोबिया एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। यह परियोजना एक त्रिपक्षीय मॉडल पर आधारित है, जिसमें जिला प्रशासन द्वारा मार्गदर्शन एवं निगरानी, महिला लाभार्थियों द्वारा संचालन एवं प्रबंधन तथा एबिस फूड एंड प्रोटीन्स द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले इनपुट, तकनीकी सहयोग एवं बाजार उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। अस्मिता परियोजना के अंतर्गत महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण, वैज्ञानिक प्रबंधन एवं निरंतर फील्ड सपोर्ट प्रदान किया जाएगा, जिससे उत्पादन में वृद्धि एवं जोखिम में कमी सुनिश्चित हो सके। इस मॉडल से महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। परियोजना के तहत प्रति महिला लाभार्थी को वार्षिक लगभग 1.5 लाख रुपये तक की शुद्ध आय का लक्ष्य रखा गया है, वहीं मासिक औसत आय 12 से 13 हजार रुपये तक होने की संभावना है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर पोषण सुधार एवं प्रोटीन उपलब्धता बढ़ाने में भी यह पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अलावा भविष्य में सुकर पालन और मछली पालन को भी शामिल किया जाएगा।

शकुंतला फाउंडेशन द्वारा 151 समाजसेवियों का भव्य सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । सामाजिक संस्था शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ ने शनिवार को वृंदावन हॉल में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा कार्य कर रहे 151 सज्जनों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस पूरे आयोजन की आयोजक एवं संस्थापिका श्रीमती स्मिता सिंह रहीं। कार्यक्रम इट्सा अस्पताल रायपुर एवं चंपा देवी इंदिरा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के विशेष सौजन्य से संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा उपस्थित रहे। मंच पर कमलेश जैन, मैनेजिंग ट्रस्टी, डॉ. रूपेंद्र, डॉ. शिवेंद्र त्रिपाठी बिलासपुर, श्रीमती रेखा गुप्ता, श्रीमती दीपक्षा जैन, श्रीमती शुभा निशा शुक्ला, डॉ. कविता कुंभज, मुस्कान खंडेलवाल, पीयूष जैन आदि गणमान्य अतिथि मौजूद थे। समारोह में छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से आई प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। दिव्यांग क्षेत्र से पिंटू राम साहू एवं महेश्वर सिंह को विशेष रूप से मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसी क्रम में शकुंतला फाउंडेशन ने पिंटू राम साहू की शिक्षा का संपूर्ण दायित्व भी लिया, जिसके लिए उन्होंने संस्था एवं श्रीमती स्मिता सिंह का आभार व्यक्त किया।

सम्मानित होने वालों में डॉ. अजय पांडेय, विशाल मिश्रा, डॉ. सुजाता दास, एएसपी अर्चना झा, सुषमा बग्गा, हासी बेनर्जी, विजयलक्ष्मी नायडू आदि प्रमुख नाम शामिल रहे। समारोह में रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियों ने भी सभी का मन मोह लिया।

खास खबर

तस्करी के लिए ट्रक से ले जा रहे थे 38 मवेशी, पुलिस ने नाकेबंदी कर छुड़ाया

जशपुरनगर। जिले में गौ तस्करी के खिलाफ चल रहे 'ऑपरेशन शंखनाद' के तहत पुलिस ने कांसाबेल थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ट्रक से तस्करी कर ले जाए जा रहे 38 मवेशियों को मुक्त कराया है। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। 18 अप्रैल की सुबह करीब 4:30 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ट्रक में बड़ी संख्या में गायों को भरकर नेशनल हाईवे-43 से ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बेला घाट में नाकेबंदी कर दी। संदिग्ध ट्रक आता दिखाई दिया, जिसे रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन तेज गति से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा किया तो चालक ग्राम नारायण बहली के पास ट्रक सड़क किनारे छोड़कर जंगल का फायदा उठाते हुए फरार हो गया। तलाशी लेने पर ट्रक की ट्रॉली को त्रिपाल से ढंका हुआ पाया गया। त्रिपाल हटाने पर उसमें 38 मवेशियों ठूंस-ठूंसकर भरे हुए मिले। पुलिस ने सभी गौवंशों को सकुशल बरामद कर पशु चिकित्सक से उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया। साथ ही तस्करी में प्रयुक्त ट्रक को जब्त कर लिया गया है। इस मामले में थाना कांसाबेल में छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

आशीर्वाद समारोह से गायब दूल्हे ने किया सुसाइड

धमतरी। जिले के कुरूद थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां शादी के दूसरे ही दिन दूल्हे ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम कन्हारपुरी निवासी सिद्धेश्वर कंवर (28) पुत्र रामजोहन कंवर का विवाह 16 अप्रैल को महासमुंद के पास ग्राम डोकरपाली में संपन्न हुआ था। बारात के लौटने के बाद 17 अप्रैल की रात कन्हारपुरी में आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण और दोनों पक्षों के स्वजन शामिल हुए। समारोह देर रात तक चलता रहा, जिसके बाद सिद्धेश्वर अपने कमरे में सोने चला गया। शनिवार सुबह जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो स्वजनों ने आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। संदेह होने पर खिड़की से देखा गया तो वह फांसी पर लटका मिला।

चाकू लहराकर धमका रहा था, आर्म्स एक्ट में भेजा जेल

राजनांदगांव। बोरतलाव पुलिस ने चाकू लहराकर पड़ोसियों को धमका रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से धारदार चाकू जब्त किया है। आरोपी पर आर्म्स एक्ट की कार्रवाई की गई है। बोरतलाव पुलिस ने बताया कि आरोपी सुकलाल नेताम बोरतलाव में शनिवार रात धारदार चाकू लहराकर पड़ोसियों को धमका रहा था। जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आरोपी से चाकू जब्त किया कर उसे जेल भेज दिया गया है।

करीब 150 मीटर लम्बे सुरंग में अवैध खनन पर सख्ती, सेंट्रल फ्लाइंग स्क्वाड की सख्त कार्रवाई

देवखोल और भालूमाड़ा में खनन क्षेत्र चिन्हित, ब्लास्टिंग कर बंद करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में अवैध कोयला खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए लगातार दूसरे दिन व्यापक कार्रवाई की। रायपुर से पहुंची सेंट्रल प्लाइंग स्क्वॉड की टीम ने रविवार को देवखोल और भालूमाड़ा क्षेत्रों का निरीक्षण कर अवैध खनन स्थलों का चिन्हांकन किया और उन्हें ब्लास्टिंग कर स्थायी रूप से बंद करने के निर्देश दिए।

इस दौरान जिला स्तर पर गठित टास्क फोर्स, जिसमें खनिज, वन, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल थे, ने संयुक्त रूप से पूरे क्षेत्र का जायजा लिया। टीम ने बताया कि निरीक्षण के समय मौके पर कोई कोयला या खनन सामग्री नहीं मिली, लेकिन पूर्व में यहां बड़े पैमाने पर अवैध गतिविधियां संचालित हो रही थीं। इस कार्रवाई से एक दिन पहले, शनिवार को संयुक्त टीम ने पटना तहसील अंतर्गत देवखोल जंगल में सघन अभियान चलाया था। इस दौरान अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 6 टन से अधिक कोयला जब्त किया गया। साथ ही कई अवैध सुरंगों को ध्वस्त किया गया, जिनका उपयोग लंबे समय से कोयला निकालने के लिए किया जा रहा था।

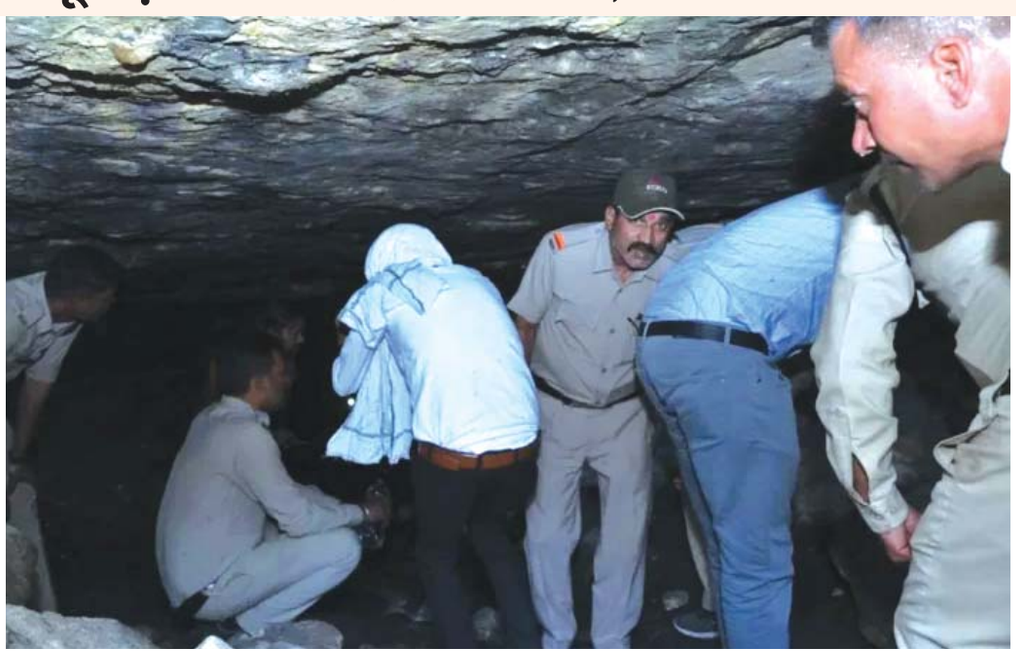

अभियान के दौरान टीम ने करीब 150 लंबी सुरंगों के भीतर प्रवेश कर न केवल कोयला बरामद किया था, बल्कि खनन में उपयोग होने वाले उपकरण जैसे फावड़ा, गेती, विद्युत पंप, फुटबॉल पाइप और बड़ी मात्रा में बिजली के तार भी जब्त किए थे। रविवार को की गई कार्रवाई में कोरिया के अलावा सूरजपुर, मनेंद्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर और गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिलों के खनिज अधिकारी, स्थानीय पुलिस, वन एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि वन एवं खनिज विभाग के साथ-साथ एसईसीएल के समन्वय से इन क्षेत्रों की निगरानी और सख्त की जाएगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध कोयला खनन पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए चिन्हित स्थानों को ब्लास्टिंग कर बंद किया जाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की गतिविधियों की पुनरावृत्ति न हो सके। साथ ही क्षेत्र में लगातार निगरानी और संयुक्त अभियान जारी रखने की भी बात कही गई है। इस सख्त कार्रवाई से अवैध खनन में लगे लोगों में हड़कंप मच गया है, वहीं प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में इस तरह के अभियानों को और तेज किया जाएगा।

नशे में वाहन चलाने वालों पर पुलिस का कड़ा शिकंजा, 27 प्रकरणों पर हुई कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर कोरबा पुलिस एक्शन मोड में नजर आ रही है। सजग कोरबा - सतर्क कोरबा अभियान के तहत 17 अप्रैल को चलाए गए विशेष अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की गई। इस दौरान मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कुल 27 प्रकरणों में चालानी कार्रवाई की गई।

पुलिस द्वारा खासतौर पर उन वाहन चालकों पर नजर रखी गई, जो शराब या अन्य मादक पदार्थ के सेवन के बाद वाहन चला रहे थे। जांच के दौरान कई ऐसे चालक पाए गए, जिनकी लापरवाही आमजन के लिए खतरा बन सकती थी। कोरबा पुलिस ने साफ कर दिया है कि नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी लाइसेंस होगा निलंबित:- धारा 185 के तहत जिन चालकों पर कार्रवाई की गई है, उनके ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन के लिए ल्व् को प्रस्ताव भेजा जाएगा, ताकि आगे नियमानुसार कार्रवाई हो सके। पुलिस ने केवल कार्रवाई ही नहीं की, बल्कि वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और सुरक्षित ड्राइविंग के लिए भी जागरूक किया।

कवर्धा में शादीशुदा प्रेमी जोड़े ने लगाई फांसी

दोस्त की पत्नी से अफेयर, भागकर की दूसरी शादी, गांव लौटकर फंदे से झूले

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में एक कपल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों की लाश अलग-अलग फंदे पर लटकते मिली है। दोनों शादीशुदा थे, लेकिन फिर भी उनका अफेयर चल रहा था। 4 साल पहले वे अपने परिवार को छोड़कर भाग गए और दूसरी शादी कर ली। घटना पांडातराई थाना क्षेत्र की है।

रामलाल चंद्रवंशी (34) और रीना चंद्रवंशी (29) शादी के बाद रायपुर में रहने लगे थे। 1 महीने पहले ही अपने गांव लौटे थे और अलग घर लेकर रह रहे थे। 19 अप्रैल को दोनों की लाश रस्सी के फंदे पर लटकती मिली। पुलिस के मुताबिक, आर्थिक तंगी के कारण कपल ने यह कदम उठाया होगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

दरअसल, रामलाल चंद्रवंशी जंगलपुर गांव का रहने वाला था और मजदूरी करता था। उसके 2 बच्चे हैं। वहीं रीना चंद्रवंशी के भी दो बच्चे हैं। रीना का पति रामलाल का दोस्त था, जिसके चलते उसका घर पर आना-जाना लगा रहता था।

इसी दौरान रामलाल और रीना के बीच नजदीकियां बढ़ीं और दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। उन्होंने जीवन भर साथ रहने का फैसला किया। करीब 4 साल पहले, दोनों अपने परिवार और बच्चों को छोड़कर रायपुर भाग गए।

रायपुर पहुंचने के बाद रामलाल ड्राइवरी का काम करने लगा। इस बीच दोनों ने शादी भी कर ली। करीब एक महीने पहले यानी मार्च में दोनों गांव लौट आए और परिवार से अलग रहने लगे।

19 अप्रैल को रामलाल के पिता सब्जी के लिए पहुंचे। इस दौरान घर का दरवाजा बंद मिला। उन्होंने आवाज लगाई, लेकिन कोई जबाव नहीं मिला। खिड़की से अंदर देखने पर रामलाल और रानी की लाश फंदे पर लटकते मिली। इसके बाद पिता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी।

पुलिस ने दरवाजा तोड़कर खोला

जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा किया और पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पीएम के बाद शवों को परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

सुसाइड नोट नहीं मिला

हालांकि मौके से कोई भी सुसाइड नोट पुलिस को नहीं मिला है। मामले में थाना प्रभारी कमलाकांत शुक्ला का कहना है कि पिता के सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। अभी तक सुसाइड की वजह साफ नहीं हो पाई है।

प्रारंभिक जांच में आर्थिक तंगी से आत्महत्या की आशंका है। परिजनों से पूछताछ की जा रही है, जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शवों का पीएम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया और मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है।

बिलासपुर में 10 लाख रुपए का गांजा जब्त, तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासपुर में कोतवाली पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बीती रात ज्वाली नाला के पास से करीब 20 किलोग्राम गांजा जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 10 लाख रुपये बताई जा रही है। नगर पुलिस अधीक्षक (आईपीएस) गगन कुमार ने बताया कि आरोपी संबलपुर, ओडिशा से गांजा लेकर मध्य प्रदेश जा रहे थे। पुलिस को शनिवार रात सूचना मिली थी कि तीन युवक ज्वाली नाला के पास ऑटो से उतरकर गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं।

आरोपियों के पिट्ठू बैग से गांजा बरामद हुआ

इस सूचना के आधार पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक (शहर) पंकज कुमार पटेल और नगर पुलिस अधीक्षक गगन कुमार के निर्देश पर थाना सिटी कोतवाली से एक टीम गठित की गई। टीम ने ज्वाली नाला के पास घेराबंदी कर तीनों संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी लेने पर आरोपियों के अलग-अलग पिट्ठू बैग से गांजा बरामद हुआ।

गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी मध्य प्रदेश के निवासी हैं। इनमें सागर जिले के साजली,निवासी आदित्य कुचबदिया (21), भोपाल जिले के सुखीसेवनिया निवासी पंकज कुचबदिया (21) और दमोह जिले के पथरिया निवासी कोहिनूर कुचबदिया (19) शामिल हैं।

पुलिस ने आदित्य कुचबदिया के पास से 7 किलोग्राम गांजा (कीमत 3,50,000), पंकज कुचबदिया के पास से 7 किलोग्राम गांजा (कीमत 3,50,000) और कोहिनूर कुचबदिया के पास से 6 किलोग्राम गांजा (कीमत 3,00,000) बरामद किया है।

पुलिस इस मामले में गांजा के सप्लायर से लेकर इसे खपाने में शामिल व्यक्तियों तक पहुंचने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए पतासाजी कर रही है। कोतवाली पुलिस ने इस मामले में तीनों आरोपियों के विरूद्धधारा 20(बी), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजने की कार्रवाई की।

अतिक्रमण रोकने पहुंचे वनकर्मियों पर हमला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के घरघोड़ा रेंज में जंगल जमीन पर अतिक्रमण रोकने पहुंचे वनकर्मियों पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। डिप्टी रेंजर और वन रक्षक को टांगी और डंडों से मारने के लिए दौड़ाया गया। दोनों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद घरघोड़ा पुलिस ने 6 नामजद समेत कई ग्रामीणों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, जशपुर निवासी विजय कुमार मिंज (54), जो घरघोड़ा रेंज के चिमटापानी परिक्षेत्र में डिप्टी रेंजर हैं। अपने साथ वन रक्षक सुभाष कुमार कर्ष के साथ चोटीगुड़ा बीट के कक्ष क्रमांक 1348 (पीएफ) ग्राम बिच्छीनारा में गश्त पर गए थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि कुछ ग्रामीण पोकलेन मशीन से जंगल की जमीन साफ कर पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचा रहे थे।

वनकर्मियों ने जब ग्रामीणों से इस काम की अनुमति के बारे में पूछा और अतिक्रमण न करने की समझाइश दी, तो ग्रामीण भड़क गए। उनका कहना था कि हमारी जमीन को NTPC अधिग्रहण कर लिया है, हम लोग कहां रहेंगे, इसलिए हम इस जमीन में अपना घर मकान बनाकर रहेंगे।

आरोप है कि दयाराम चौहान, रामप्रसाद सारथी, परखित उरांव, बलराम उरांव, प्रमोद उरांव, कुमार उरांव सहित कई ग्रामीण गाली-गलौज करते हुए टांगी और डंडा लेकर वनकर्मियों पर टूट पड़े। जान से मारने की धमकी देते हुए उन्हें दौड़ाया गया।

स्थिति बिगड़ती देख डिप्टी रेंजर और वन रक्षक मौके से भाग निकले और अपनी जान बचाई। बाद में कटंगडीह परिसर रक्षक सुरेंद्र सिंह सिदार को सूचना दी गई, लेकिन ग्रामीण नहीं माने और आक्रोशित बने रहे।

6 नामजद समेत कई पर केस दर्ज

घटना के बाद वन विभाग ने उच्चाधिकारियों को जानकारी दी और लिखित शिकायत घरघोड़ा थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने शनिवार को 6 नामजद आरोपियों सहित अन्य ग्रामीणों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बेटे ने पिता को मार-डाला, हाईकोर्ट बोला-गुस्से में हुआ वारदात

कोई प्री-प्लानिंग नहीं थी, इसलिए हत्या का केस नहीं बनता, उम्रकैद की सजा घटाकर किया 10 साल

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पिता को पिकअप से कुचलकर मारने वाले बेटे की सजा घटा दी है। उम्रकैद की सजा को बदलकर 10 साल कठोर कैद कर दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने यह फैसला सुनाया है। डिवीजन बेंच ने केस में टिप्पणी करते हुए कहा कि, गुस्से में हुए विवाद और अचानक हमले को हत्या का इरादा नहीं माना जा सकता है। वहीं, ट्रॉयल कोर्ट ने आरोपी बेटे को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

दरअसल, मामला साल 2020 का है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के रामचंद्रपुर थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में लकड़ी रखने को लेकर बेटे और पिता के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान बेटे महात्मा यादव ने गुस्से में आकर अपने पिता जंगली यादव को पिकअप से कुचल दिया।

जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां करीब 9 दिन तक इलाज के बाद उनकी मौत हो गई थी। इस घटना के बाद पुलिस ने जांच की। आरोपी बेटे के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ चार्जशीट पेश किया। जिसके बाद निचली अदालत ने ट्रॉयल के बाद उसे हत्या का दोषी मानते हुए उम्रकैद और जुर्माने की सजा सुनाई थी। आरोपी बेटे ने इसे चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इस मामले की सुनवाई करते हुए डिवीजन बेंच ने सबूतों और हालात की अच्छी तरह से जांच की। कोर्ट ने माना कि घटना प्री-प्लान नहीं थी, बल्कि अचानक हुए विवाद और आवेश में हुई।

मौत गंभीर चोटों और ब्रेन इंजरी के कारण हुई। कोर्ट ने कहा कि घटना अचानक झगड़े और गुस्से में हुई। हत्या का का इरादा पहले से था, यह साफ़ तौर पर साबित नहीं हुआ। हालांकि, आरोपी को पता था कि उसका यह काम जानलेवा हो सकता है।

लिहाजा, हाईकोर्ट ने हत्या (302 आईपीसी) को बदलकर गैर इरादतन हत्या (304 पार्ट-1) के तहत सजा सुनाई। आरोपी के उम्रकैद की सजा को घटाकर 10 साल कर दिया है। साथ ही अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए सजा में संशोधन किया है। हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार आरोपी बाकी सजा जेल में ही पूरी करेगा।

ऑनलाइन प्लेटफार्म से सट्टा खिलाने वाले गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने देर रात छापेमारी कर आरोपियों को उस समय पकड़ा, जब वे मोबाइल के जरिए ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हर्षित मोटवानी, लकी पाहुजा और हनी गंगवानी के रूप में हुई है। मौके से मोबाइल फोन, डिजिटल रिकॉर्ड और सट्टे से जुड़ी अन्य सामग्री जब्त की गई है। प्रारंभिक जांच में

सामने आया है कि आरोपी अलग-अलग मोबाइल नंबर और ऐप्स का इस्तेमाल कर ऑनलाइन सट्टा खिलाने का नेटवर्क चला रहे थे। आरोपियों के बारे में खुलासा जल्द रायपुर पुलिस के अधिकारी करेंगे।

मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई

एसीसीयू की टीम को काफी समय से इस इलाके में ऑनलाइन सट्टा संचालन की सूचना मिल रही थी। इसके बाद पुलिस ने निगरानी बढ़ाई और पुख्ता जानकारी मिलने पर कार्रवाई की।

अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है। जल्द ही और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि ऑनलाइन सट्टा के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और इस तरह की अवैध गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय आवास का ताला तोड़कर 18 हजार की चोरी

रायगढ़। खरसिया थाना क्षेत्र की सिंचाई कॉलोनी मदनपुर में सूने शासकीय आवास का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने करीब 18 हजार रुपए का सामान चोरी कर लिया। जल संसाधन विभाग में डाटा एंट्री ऑपरेटर स्नेहा बघेल 12 अप्रैल को ताला लगाकर बिलासपुर गई थीं। 16 अप्रैल को लौटने पर दरवाजा टूटा मिला और सामान बिखरा था। चोर सीलिंग फैन, इंडक्शन चूल्हा, दो गैस सिलेंडर और चावल लेकर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी।

प्रमुख खबरें

बैगा बहुल ग्रामों में महिला सशक्तिकरण हेतु विशेष अभियान

रायपुर। खैरागढ़, छुईखदान, गंडई जिले के कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के निर्देशानुसार बीते दिनों विकासखंड छुईखदान के बैगा बहुल ग्राम सरई पतेरा एवं लालपुर में महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु विशेष अभियान का आयोजन किया गया। पद्मश्री फुलबासन यादव के मार्गदर्शन में महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के महत्व एवं उससे होने वाले लाभों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि समूह से जुड़कर वे अपनी आय में वृद्धि कर सकती हैं, साथ ही सामाजिक रूप से भी सशक्त बन सकती हैं। इस दौरान महिलाओं को समूह की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया गया। अभियान में लगभग 150 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें से कई महिलाओं ने स्व-सहायता समूह से जुड़ने की इच्छा व्यक्त की। इसके लिए संभावित सदस्यों की सूची तैयार कर आगे समूह गठन की प्रक्रिया को गति देने की पहल की गई। जिला पंचायत एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारी-कर्मचारी, डीपीएम, बीपीएम, एसी, पीआरपी, एफएलसीआरपी, सक्रिय महिलाएं, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरटीआई पोर्टल में डिजिटल भुगतान की सुविधा सुचारु, त्वरित हुई सेवा

रायपुर। rtionline.cg.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन भुगतान (Online Payment) की सुविधा पोर्टल के प्रारंभ से ही उपलब्ध है। वर्ष 2023 में इस पोर्टल को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ एकीकृत करते हुए आरटीआई भुगतान प्रणाली से जोड़ा गया, जिससे नागरिकों को सरल, सुरक्षित एवं तेज भुगतान का विकल्प प्राप्त हुआ। 01 जनवरी 2023 से 18 अप्रैल 2024 तक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन एवं यूपीआई भुगतान द्वारा कुल 7 लाख 03 हजार 42 रुपये की राशि प्राप्त हुई है। राज्य शासन द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुगम एवं तकनीक-आधारित बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पोर्टल में समय-समय पर तकनीकी उन्नयन भी किए जा रहे हैं, ताकि आवेदकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पर्यावरण और इंजीनियरिंग के बेहतरीन तालमेल की मिसाल बनेगा एनएच 130 सीडी

अब चार घंटे में विशाखापत्तनम पहुंच जाएगा बस्तर का सामान, सिक्स लेन कॉरीडोर पर तेजी से हो रहा काम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर की प्रगति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए रायपुर- विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-130 सीडी) एक क्रांतिकारी कदम साबित होने जा रहा है। भारतमाला परियोजना के तहत बन रहा यह 6-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर न केवल दूरियों को कम करेगा, बल्कि बस्तर के स्थानीय उत्पादों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक पहुँच प्रदान कर लैंड-लॉक्ड क्षेत्र की बाधाओं को समाप्त करेगा।

वर्तमान में जगदलपुर से विशाखापट्टनम की यात्रा ओडिशा के कोरापुट और जयपुर के कठिन घाटों से होकर गुजरती है, जिसमें 7 से 9 घंटे का समय लगता है। भारी वाहनों के लिए यह मार्ग न केवल थकाऊ है, बल्कि डीजल की खपत और मेंटेनेंस के लिहाज से भी खर्चीला है। नया कॉरिडोर इस यात्रा को मात्र 3.5 से 4 घंटे में समेट देगा। सीधा और घाट-मुक्त रास्ता होने के कारण वाहनों का परिचालन खर्च काफी कम हो जाएगा, जिससे परिवहन क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी।

बेहतर सड़क संपर्क से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाएं इन सुदूर क्षेत्रों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी। इस राजमार्ग के माध्यम से बस्तर का कृषि उत्पाद और इस्पात सीधे रायपुर, दुर्ग-भिलाई और विशाखापट्टनम जैसे औद्योगिक केंद्रों से जुड़ जाएगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए तकनीकी, प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स, रियल एस्टेट और सर्विस सेक्टर में हजारों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह कॉरिडोर बस्तर में औद्योगिक विकास की एक नई लहर लाने के लिए तैयार है।

यह इकोनॉमिक कॉरिडोर पूरे छत्तीसगढ़ के आर्थिक परिदृश्य को बदल देगी। लगभग 16,491 करोड़ की लागत से बन रहा यह 464 किमी लंबा ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल कॉरिडोर न केवल दूरी कम करेगा, बल्कि बस्तर जैसे जनजातीय क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने का काम करेगा।

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए विकास का नया द्वार खोलने जा रहा है। केंद्र सरकार के सहयोग से हम राज्य में आधुनिक और मजबूत अधोसंरचना का तेजी से विस्तार कर रहे हैं। इससे न केवल यात्रा समय कम होगा, बल्कि स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक सीधी पहुंच मिलेगी। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि बस्तर जैसे क्षेत्रों को मुख्य धारा की अर्थव्यवस्था से जोड़कर समावेशी और संतुलित विकास सुनिश्चित किया जाए।

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रदेश में कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास को नई गति देगा। विश्वस्तरीय सड़क नेटवर्क तैयार कर नागरिकों और माल परिवहन को सुगम, सुरक्षित और तेज बनाया जा रहा है। इस कॉरिडोर से बस्तर सीधे बंदरगाह से जुड़कर व्यापार और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। हमारी प्राथमिकता है कि हर क्षेत्र तक बेहतर सड़क और बुनियादी सुविधाएं पहुंचें, जिससे प्रदेश का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

- लोक निर्माण मंत्री अरुण साव

नबरंगपुर इंटरचेंज बनेगा बस्तर का प्रवेश द्वार

रायपुर-वाइजाग इकोनॉमिक कॉरिडोर रायपुर, धमतरी, कांकेर और कोंडागांव जिलों से गुजर रहा है। जगदलपुर को इससे जोड़ने के लिए ओडिशा के नबरंगपुर दासपुर इंटरचेंज जाना होगा। जगदलपुर से 50-60 किमी का सफर तय कर नबरंगपुर इंटरचेंज होकर रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर में शामिल हो सकेगा, जिससे बस्तर सीधे विशाखापट्टनम पोर्ट और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक नेटवर्क से जुड़ जाएगा।

बस्तरिया ब्रांड को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय बाजार

इस कॉरिडोर का प्रभाव बस्तर की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अब बस्तर की अरेबिका कॉफी, जैविक इमली, महुआ उत्पाद और प्रसिद्ध ढोकरा शिल्प को विशाखापट्टनम पोर्ट तक पहुँचाना सुगम होगा। कम लॉजिस्टिक लागत के कारण ये उत्पाद वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध होंगे, जिससे स्थानीय किसानों, संग्रहकर्ताओं और शिल्पकारों को उनकी उपज का बेहतर अंतरराष्ट्रीय मूल्य मिल सकेगा।

पर्यावरण व इंजीनियरिंग का बेहतरीन तालमेल

कांकेर के बासनवाही के मंझिनगढ़ पहाड़ी केशकाल को चीरकर 2.79 किमी लंबी ट्विन-ट्यूब टनल बनाई जा रही है जो उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के इको-सेंसिटिव जोन से गुजरती है, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि वन्यजीवों का आवागमन बाधित न हो। साथ ही पूरे राजमार्ग में मंकी कैनोपी, एनिमल अंडरपास और ओवरपास बनाए जा रहे हैं ताकि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे।

पर्यटन एवं संस्कृति को भी मिलेगी ताकत

कनेक्टिविटी में सुधार होने से बस्तर में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आमद बढ़ेगी। पर्यटन बढ़ने से स्थानीय स्तर पर रोजगार का भी सृजन होगा। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा, दंतेश्वरी मंदिर, ढोलकल गणेश, कुटुमसर गुफा और चित्रकोट-तीरथगढ़ जैसे जलप्रपातों तक पहुंच आसान होगी। इससे न केवल पर्यटन राजस्व बढ़ेगा, बल्कि आदिम संस्कृति और लोक कलाओं को भी वैश्विक मंच पर नई पहचान मिलेगी।

औद्योगिक और खनिज विकास को बल

बस्तर क्षेत्र लौह अयस्क और अन्य खनिजों से समृद्ध है। यह कॉरिडोर इन खनिजों को विशाखापत्तनम पोर्ट तक तेजी से पहुंचाने में मदद करेगा, जिससे निर्यात और व्यापार में भारी उछाल आएगा। कॉरिडोर के किनारे नए औद्योगिक क्लस्टर विकसित होने की संभावना है, जिससे स्थानीय स्तर पर विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। इससे बस्तर की अर्थव्यवस्था को चार चांद लग जाएंगे। प्रचुर रोजगार का सृजन होगा।

लो वोल्टेज की समस्या से मुक्ति; लग रहे नए 33/11 केवी सब-स्टेशन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ और विश्वसनीय बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जशपुर जिले सहित राज्य के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में लो वोल्टेज की समस्या के समाधान के लिए व्यापक योजना लागू की जा रही है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जशपुर जिले के 133 गांवों, नगरों और टोला-मुहल्लों में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे। इस पहल से लंबे समय से चली आ रही लो वोल्टेज और बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित होगा। इससे किसानों, छात्रों और लघु व्यवसायियों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी दैनिक गतिविधियां अधिक सुचारू रूप से संचालित हो सकेंगी।

प्रदेश सरकार द्वारा विद्युत अधोसंरचना के विस्तार के तहत जशपुर जिले में उच्च स्तरीय परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। कुनकुरी के हर्राडांड में 400/220 केवी का अत्याधुनिक उपकेंद्र स्थापित किया जा रहा है, जो राज्य के प्रमुख उच्च क्षमता उपकेंद्रों में शामिल होगा। इसके अतिरिक्त सलिहाटोली, विपतपुर, भगोरा, समडमा, मैनी, रेड़े, पालीडीह, खुटेरा एवं चेटवा सहित विभिन्न स्थानों पर नए 33/11 केवी सब-स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। साथ ही फरसाबहार और झिक्की बगीचा में 132/33 केवी के उच्च क्षमता सब-स्टेशन भी स्वीकृत किए गए हैं, जिससे क्षेत्रीय विद्युत वितरण प्रणाली और अधिक सशक्त होगी।

इन योजनाओं के क्रियान्वयन से प्रदेश में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में व्यापक सुधार आएगा, लो वोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या में कमी आएगी तथा औद्योगिक और कृषि गतिविधियों को नई गति मिलेगी। राज्य सरकार की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है।

प्रदेशवासियों ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे राज्य के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

बदलता कोरबा - संवरता कोरबा

कोरबा में रायफल शूटिंग रेंज से स्थानीय खिलाड़ियों को मिलेगा तैयारी का अवसर

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। वाणिज्य उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने शानिवार को कहा कि शहर तेजी के साथ बदल रहा है, तेजी के साथ संवर रहा है तथा शहर को नित नई उपलब्धियाँ प्राप्त हो रही है। नगर निगम द्वारा स्थापित कोरबा रायफल शूटिंग रेंज बदलते कोरबा - संवरते कोरबा की एक और निशानी है, एक और प्रमाण है।

उन्होने कहा कि कोरबा के खिलाड़ियों, रायफल शूटिंग के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने वाले यहाँ के युवाओं, बच्चों व शूटिंग प्रेमियों को रायफल शूटिंग रेंज की यह बड़ी सौगात देने के लिये वे महापौर संजूदेवी राजपूत, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय व सभापति नूतन सिंह ठाकुर को बधाई देते हैं।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा टीपीनगर स्थित प्रियदर्शनी इंदिरा स्टेडियम के पीछे कोरबा रायफल शूटिंग रेंज की स्थापना की गई है। निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर कोरबा रायफल शूटिंग एकेडमी के सचिव हैं। उन्होंने आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के समक्ष इसका प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव पर महापौर संजूदेवी राजपूत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने सहर्ष सहमति दी।

शनिवार को आयोजित एक गरिमापूर्ण कार्यक्रम में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य व महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में कोरबा रायफल शूटिंग रेंज का शुभारंभ किया गया। उद्योग मंत्री ने लोकार्पण पट्टिका का अनावरण करने के बाद रायफल्स की पूजा अर्चना की एवं शूटिंग कर रेंज का शुभारंभ किया।

उद्योग मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय खेलों के विकास व खेल सुविधायें बढ़ाने के लिये विशेष रूचि ले रहे हैं तथा हमारा देश खेलों के क्षेत्र में नित नई उपलब्धियाँ अर्जित कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने मध्यक्षेत्र विकास प्राधिकरण की बैठक में जनजातीय बालक एवं बालिका क्रीड़ा परिषद के निर्माण हेतु 10-10 करोड़ रूपये की स्वीकृत दी है। उन्होने आगे कहा कि जहाँ तक नगर निगम कोरबा का प्रश्न है तो निगम ने अपने मूलभूत दायित्वों के सफल निर्वहन एवं निगम क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ कोरबा में खेल सुविधायें बढ़ाने के लिये व्यापक पैमाने पर कार्य किये हैं, जिससे हर कोई परिचित है। उन्होने कहा कि जब मैं महापौर था तो हाकी के जादूगर महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी की प्रतिमा स्थापित की गई है तथा उस चौक का नाम मेजर ध्यानचंद चौक किया गया था, स्टेडियम के समीप स्वीमिंग पूल निर्मित हुआ था तथा ओपन थियेटर घंटाघर मैदान को संरक्षित किया गया, जहाँ पर नित नई क्रीडा गतिविधियाँ आज संचालित हो रहा है। उन्होने कहा कि कोरबा रायफल शूटिंग रेंज की स्थापना से रायफल शूटिंग के खिलाड़ियों को एक बड़ी सुविधा मिल चुकी है, वे यहाँ पर प्रेक्टिस कर सकेंगे तथा नेशनल व इंटरनेशनल प्लेटफार्म पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुये कोरबा जिला व छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेगे। उन्होने कहा कि कोरबा रायफल शूटिंग एकेडमी को शूटिंग रेंज के विकास के लिये, यहाँ पर आधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता के लिये, जो भी आवश्यक होगा वह सहयोग निश्चित रूप से दिया जायेगा।

हम सबके लिये प्रसन्नता व गर्व का क्षण : महापौर

इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने कहा कि यह हम सबके लिये प्रसन्नता व गर्व का क्षण है। हमें इस बात की विशेष खुशी है कि हमारे आयुक्त आशुतोष पाण्डेय खेलों में विशेष रूचि रखते हैं तथा खेलों के विकास हेतु जो भी सुझाव उनके समक्ष रखें जाते हैं, उस पर वे पूरी इच्छाशक्ति के साथ कार्य करते हैं। महापौर श्रीमती राजपूत ने कहा कि कोरबा में खेल सुविधाओं की वृद्धि हेतु निगम ने उल्लेखनीय कार्य किये हैं, कोरबा रायफल शूटिंग रेंज के विकास हेतु एवं यहाँ पर बेहतर व अत्याधुनिक सुविधायें मुहैया कराने के लिये जो भी प्रस्ताव सामने लाया जायेगा, उस पर निश्चित रूप से काम होगा।

इस अवसर पर सभापति एवं कोरबा रायफल शूटिंग एकेडमी के सचिव नूतन सिंह ठाकुर एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने भी अपने विचार व्यक्त किये.

इस अवसर पर जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नौशाद खान ने कहा कि कोरबा में खेलों के विकास एवं खेल सुविधायें मुहैया कराने में नगर पालिक निगम कोरबा की सदैव महत्वपूर्ण भूमिका रही है, इसी कड़ी में आज कोरबा रायफल शूटिंग रेंज की यह सौगात भी शहर को मिल चुकी है, जिसके लिये मैं उद्योग मंत्री श्री देवांगन, महापौर श्रीमती राजपूत व आयुक्त श्री पाण्डेय को साधुवाद देता हूँ। उन्होंने कहा कि रायफल शूटिंग के खिलाड़ी यहाँ पर प्रेक्टिस करेंगे।

टीपी नगर स्थित इंदिरा प्रियदर्शनी इंदिरा स्टेडियम के पीछे जिस स्थल पर शूटिंग रेंज स्थापित किया गया, वहां वर्षो से कचरे का ढेर लगा था। निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के प्रयास से आज सुव्यवस्थित रायफल शूटिंग रेंज के रूप में सुसज्जित हो चुका है। कोरबा रायफल शूटिंग एकेडमी व इंडोर शूटिंग रेंज में तब्दील हो चुका है।

प्रदेश सरकार की सकारात्मक व विकासपरक सोच से जिले में हो रहे नवाचार : उपमुख्यमंत्री साव

उपमुख्यमंत्री साव ने कांकेर को दी ट्रॉमा सेंटर, कोया बाना आदिवासी संग्रहालय सहित विकास की कई सौगातें

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास, खेल और युवा कल्याण तथा कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने आज जिला मुख्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कोमलदेव शासकीय जिला चिकित्सालय परिसर में ट्रामा सेंटर तथा ओपीडी एवं अतिरिक्त भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इसके अलावा पुत्री शाला परिसर का जीर्णोद्धार कर वित्तीय साक्षरता लैब और कचहरी परिसर स्थित मावा मोदोल कोचिंग संस्थान प्रांगण में कोया बाना आदिवासी संस्कृति संवर्धन संस्थान का भी लोकार्पण जिले के प्रभारी मंत्री श्री साव ने किया।

आज दोपहर कोया बाना आदिवासी संस्कृति संग्रहालय के लोकार्पण पश्चात नगरवासियों को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि कांकेर जिले के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा क्योंकि यहां कुल 11 करोड़ 21 लाख रूपए के विभिन्न निर्माण कार्यों और नवाचारों का लोकार्पण हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की सकारात्मक और विकासपरक सोच ही परिणाम है कि जिले में इतनी तादाद में विकास की झलकियां देखने को मिल रही हैं।

वहीं आने वाली पीढ़ी को आदिवासी संस्कृति और विरासत को करीब से जानने के लिए कोया बाना जैसे बहुउद्देशीय संग्रहालय का लोकार्पण हुआ। श्री साव ने कहा कि कांकेर जिले को सहेजने और संवारने का काम शासन, प्रशासन और जिले के जनप्रतिनिधि के द्वारा परस्पर समन्वय के साथ किया जा रहा है।

विशिष्ट अतिथि की आसंदी से कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा उप मुख्यमंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री श्री साव के नेतृत्व में कांकेर जिले को लगातार सौगातें मिल रही हैं।

उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की इच्छाशक्ति से बस्तर के नक्सलमुक्त होने के बाद अब यहां सतत् विकास देखने को मिल रहा है। इसके अलावा सरकारें विभिन्न योजनाओं के माध्यम से यहां की आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक विरासतों को संजोने व संवर्धन करने हर संभव प्रयासरत है, जिसका उदाहरण कोया बाना संग्रहालय है जो युवाओं को उनकी प्राचीन परंपरा और सभ्यता से अवगत कराएगा।

कार्यक्रम के अंत में उप मुख्यमंत्री एवं अन्य मंचस्थ अतिथियों ने मासिक पत्रिका नवांकुर और हल्बा जनजाति की लोक संस्कृति नामक पुस्तिका का विमोचन किया। विदित हो कि कोया बाना आदिवासी संस्कृति संवर्धन संस्थान में गोड़ी पाठशाला का संचालन और सांस्कृतिक लाइब्रेरी की स्थापना, आदिवासी पुरातत्व संग्रहालय एवं युवाओं के लिए रेडियो स्टूडियो की स्थापना की गई है। उक्त संस्थान की स्थापना जिला खनिज न्यास निधि मद से 30 लाख रूपए की लागत से की गई है।

ट्रामा सेंटर और अस्पताल भवन का किया लोकार्पण

इसके पहले उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कोमलदेव शासकीय जिला चिकित्सालय में आधुनिक तकनीक से लैस ट्रामा सेंटर और ओपीडी एवं अतिरिक्त अस्पताल भवन का लोकार्पण किया। उक्त ट्रामा सेंटर की स्थापना 01 करोड़ 41 लाख 35 हजार रूपए की लागत से डीएचएस एवं डीएमएफ मद से की गई है, जहां गंभीर मरीजों का उपचार उन्नत चिकित्सा पद्धति से तात्कालिक रूप से हो सकेगा। इसी तरह डीएमएफ मद से 08 करोड़ 42 लाख रूपए की लागत से ओपीडी एवं अतिरिक्त अस्पताल भवन का भी लोकार्पण उप मुख्यमंत्री श्री साव के द्वारा किया गया। इन चिकित्सा अधोसंरचनाओं के निर्माण से मरीजों को विभिन्न सेवाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इस दौरान उन्होंने ट्रॉमा यूनिट में भर्ती मरीजों व उनके परिजनों से बातचीत कर हालचाल जाना।

वित्तीय साक्षरता लैब में बच्चे खेल-खेल में बनेंगे जागरूक उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री साव ने कांकेर प्रवास के दौरान आज पोस्ट ऑफिस के समीप पुराने पुत्रीशाला परिसर में वित्तीय साक्षरता लैब का लोकार्पण किया। उक्त लैब का निर्माण पुराने शाला भवन का जीर्णोद्धार कर किया गया है।

डीएमएफ मद से कुल 65 लाख रूपए की लागत से उक्त लैब का निर्माण आधुनिकीकृत ढंग से किया गया है, जहां पर विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को वित्तीय सशक्तिकरण, सायबर फ्रॉड के प्रति जागरूकता तथा व्यावसायिक निवेश कंपनी अधिनियम की जानकारी, जीएसटी, टीडीएस एवं कर प्रणाली की समझ और शेयर मार्केट से परिचय व शासन की योजना एवं आर्थिक बजट की जानकारी सहित बैंकिंग प्रणाली और निवेश आदि की वित्तीय जानकारी मिलेगी।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत, नगर पालिका कांकेर के अध्यक्ष अरूण कौशिक, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी, उपाध्यक्ष तारा ठाकुर, कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, जिला पंचायत सीईओ हरेश मण्डावी, पूर्व विधायक सुमित्रा मारकोले सहित नागरिक महेश जैन, दिलीप जायसवाल एवं नगर के पार्षद, जनप्रतिनिधिगण एवं नागरिक उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950